website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 55 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 04 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

ट्रेड डील पर सियासत गरम:

-कांग्रेस का मोदी पर हमला, रूस से तेल और मेक इन इंडिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर सियासी बयानबाज़ी तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि वॉशिंगटन में "मोगैम्बो खुश" है और ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री ने दबाव में आकर समझौता किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कई पोस्ट कर यह सवाल उठाया कि ट्रेड डील जैसी अहम घोषणा भारत सरकार की ओर से होने के बजाय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से क्यों की गई। कांग्रेस का आरोप है कि अब यह एक "रूटीन" बनता जा रहा है कि भारत से जुड़े बड़े फैसलों या समझौतों की जानकारी पहले अमेरिकी पक्ष से सामने आती है। जयराम रमेश ने तंज करते हुए कहा कि जैसे पहले सीजफायर (ऑपरेशन सिंदूर) की घोषणा ट्रम्प ने की थी, उसी तरह अब ट्रेड डील का ऐलान भी उन्होंने ही किया है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि अगर ट्रेड डील प्रधानमंत्री मोदी के अनुरोध पर की जा रही है, जैसा कि अमेरिकी पक्ष संकेत दे रहा है, तो इससे भारत की मोलभाव क्षमता और कूटनीतिक स्थिति पर सवाल खड़े होते हैं। तेल खरीद के मुद्दे को लेकर भी कांग्रेस ने सरकार से सीधा सवाल पूछा है। पार्टी ने कहा कि अगर यह सही है कि भारत रूस से तेल खरीद कम या बंद करेगा और उसकी जगह अमेरिका व वेनेजुएला से तेल खरीदेगा, तो क्या यह ट्रेड डील की शर्तों का हिस्सा है? कांग्रेस का कहना है कि रूस के साथ भारत के लंबे समय से रणनीतिक और ऊर्जा संबंध रहे हैं, ऐसे में किसी भी बदलाव पर देश को स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए। साथ ही यह भी पूछा गया कि अगर अमेरिका से ज्यादा सामान आयात किया जाएगा, तो "मेक इन इंडिया" अभियान पर इसका क्या असर पड़ेगा। दूसरी ओर, ट्रम्प ने हाल ही में बयान दिया कि भारत और अमेरिका के बीच नई ट्रेड डील तय हुई है और अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ को घटाकर 18% कर दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत रूस से तेल खरीद बंद करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा। हालांकि भारतीय सरकार की ओर से इन दावों के हर बिंदु पर अभी विस्तृत आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते अक्सर जटिल होते हैं और उनमें कई स्तरों पर बातचीत चलती है। होते हैं। इसलिए किसी भी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले आधिकारिक दस्तावेज और शर्तें सामने आना जरूरी है।

लोकसभा में हंगामा:

-मोदी के खिलाफ नारे, स्पीकर की दखल के बाद भी नहीं चल सकी कार्यवाही

नई दिल्ली। लोकसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन संसद का माहौल काफी गरम रहा। कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई, लेकिन महज़ कुछ ही मिनटों में हंगामे की वजह से सदन को स्थगित करना पड़ा। विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके कारण लोकसभा की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर दोबारा शुरू होने के बाद भी कुछ ही मिनटों में रोकनी पड़ी। पूरे घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया कि सरकार और विपक्ष के बीच टकराव इस समय अपने चरम पर है। सत्र शुरू होते ही विपक्ष ने ट्रेड डील और अन्य राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर सरकार को घेरना शुरू कर दिया। विपक्षी सांसद अपनी सीटों से खड़े होकर नारे लगाने लगे। हंगामा इतना बढ़ गया कि स्पीकर ओम बिरला को बार-बार सदन में व्यवस्था बनाए रखने की अपील करनी पड़ी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि नारेबाजी नियमों के खिलाफ है और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। लेकिन उनकी अपील का असर नहीं हुआ और शोर-शराबा जारी रहा। पहली बार सदन की कार्यवाही सिर्फ 8 मिनट चली। इसके बाद स्थगन हुआ। जब दोबारा कार्यवाही शुरू हुई तो उम्मीद थी कि हालात सामान्य होंगे, मगर ऐसा नहीं हुआ। दूसरी बार भी सदन केवल लगभग 13 मिनट ही चल पाया। लगातार हंगामे को देखते हुए स्पीकर ने कड़ा रुख दिखाया और विपक्ष को नियमों का पालन करने की नसीहत दी। सूत्रों के मुताबिक, स्थिति को संभालने के लिए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कांग्रेस और भाजपा के सांसदों के साथ अलग से बैठक भी की। इस बैठक का मकसद यह था कि दोनों पक्ष आपसी समझ से कोई रास्ता निकालें ताकि सदन की कार्यवाही बिना बाधा के चल सके। संसद का समय देश का समय माना जाता है, और बार-बार स्थगन से महत्वपूर्ण विधायी काम प्रभावित होता है। इस पूरे विवाद के केंद्र में भारत-अमेरिका ट्रेड डील का मुद्दा भी है। मंगलवार सुबह NDA की संसदीय दल की बैठक में इस डील को लेकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया गया। सरकार के पक्ष से इसे एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि बताया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह समझौता भारत के आर्थिक हितों के लिए फायदेमंद साबित होगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति मजबूत करेगा। दूसरी तरफ विपक्ष इस ट्रेड डील को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि इस समझौते की घोषणा पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने की, जबकि भारत सरकार की तरफ से स्पष्ट जानकारी देर से आई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार ने बातचीत की पारदर्शिता नहीं रखी और देश को पूरी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि यह स्थिति "सीजफायर" वाली घोषणा की तरह है, जहां पहले बाहरी बयान सामने आया और बाद में भारत सरकार ने प्रतिक्रिया दी। विपक्ष का आरोप है कि सरकार अंतरराष्ट्रीय दबाव में फैसले ले रही है और संसद को भरोसे में नहीं ले रही। वहीं सरकार का कहना है कि विपक्ष बिना पूरी जानकारी के राजनीतिक माहौल गरमाने की कोशिश कर रहा है। सरकार के नेताओं के मुताबिक, ट्रेड डील से निवेश, निर्यात और रोजगार के नए मौके खुलेंगे। संसद में हंगामा और टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन बार-बार कार्यवाही ठप होना लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जाता। जनता चाहती है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि सदन में बैठकर बहस करें, सवाल पूछें और नीतियों पर ठोस चर्चा करें। नारेबाजी से राजनीतिक संदेश तो जाता है, मगर कानून बनाने और नीति तय करने का काम रुक जाता है।

मणिपुर में सरकार गठन की तैयारी तेज:

-BJP ने तरुण चुग को बनाया ऑ जर्वर, अगले हफ्ते खत्म हो सकता है राष्ट्रपति शासन

नई दिल्ली/इम्फाल। मणिपुर में नई सरकार के गठन की संभावना तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने राज्य में सरकार बनाने की दिशा में औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। पार्टी के संसदीय बोर्ड ने नेशनल जनरल सेक्रेटरी तरुण चुग को मणिपुर में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए सेंट्रल ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। इस कदम को राज्य में राष्ट्रपति शासन खत्म कर नई सरकार बनाने की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, BJP विधायक दल की बैठक मंगलवार को आयोजित होने की संभावना है। हालांकि बैठक का स्थान अभी तय नहीं किया गया है, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने सभी विधायकों को मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) के कई विधायक पहले ही दिल्ली पहुंच चुके हैं। बताया जा रहा है कि मणिपुर से NDA के करीब 20 विधायक रविवार रात राजधानी पहुंचे, जबकि बाकी विधायक सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर दिल्ली आए। दिल्ली पहुंचे नेताओं में पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत सिंह, पूर्व मंत्री वाई. खेमचंद सिंह और BJP प्रदेश अध्यक्ष ए. शारदा देवी जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इन बैठकों में केंद्रीय नेतृत्व के साथ राज्य की राजनीतिक स्थिति, संभावित मुख्यमंत्री के नाम और सत्ता संतुलन के फार्मूले पर चर्चा हुई है। जानकारी के मुताबिक, विधायक दल की बैठक के बाद नए नेता का चुनाव किया जाएगा और उसी आधार पर मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान होगा। सूत्रों का कहना है कि मंगलवार शाम करीब 3 बजे विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा की जा सकती है। इसके तुरंत बाद राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो अगले हफ्ते राष्ट्रपति शासन समाप्त होने का रास्ता साफ हो सकता है। राज्य में लंबे समय से जारी जातीय तनाव और राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए BJP इस बार सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन पर खास ध्यान दे रही है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से खबर है कि कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से किसी एक को उपमुख्यमंत्री (डिप्टी सीएम) का पद दिया जा सकता है। इससे सरकार को स्थिरता देने और समुदायों के बीच भरोसा बढ़ाने की कोशिश की जाएगी।

अमेरिका–चीन टकराव के बीच भारत की नई कूटनीति:

-टैरिफ दबाव में बदलती विदेश और व्यापार रणनीति

नई दिल्ली। दुनिया की मौजूदा भू-राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था तेज़ी से बदल रही है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती खींचतान ने अंतरराष्ट्रीय संतुलन को हिला दिया है। इसी बदलते माहौल में भारत खुद को दो बड़ी ताकतों के बीच खड़ा पाता है। एक तरफ अमेरिका की सख्त व्यापार नीतियां और टैरिफ का दबाव है, तो दूसरी तरफ चीन की क्षेत्रीय और आर्थिक आक्रामकता। ऐसे हालात में भारत अपनी विदेश और व्यापार नीति को नए सिरे से ढाल रहा है। हाल ही में दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच से कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि पुरानी वैश्विक व्यवस्था टूट रही है और अब मध्यम ताकत वाले देशों को मिलकर नई साझेदारियां बनानी होंगी। यह बात सीधे तौर पर भारत जैसे देशों पर लागू होती है, जो न तो किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल होना चाहते हैं और न ही रणनीतिक आज़ादी छोड़ना चाहते हैं। ट्रम्प दौर के टैरिफ और "अमेरिका फर्स्ट" नीति ने वैश्विक व्यापार ढांचे को झटका दिया था। उसके बाद से भारत ने अपनी रणनीति में विविधता लाने पर ज़ोर बढ़ाया है। भारत अब केवल पारंपरिक साझेदारों — जैसे अमेरिका और यूरोप — पर निर्भर नहीं रहना चाहता, बल्कि अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और खाड़ी देशों के साथ भी व्यापार और निवेश रिश्ते मजबूत कर रहा है। भारत की कोशिश है कि सप्लाई चेन, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप के क्षेत्र में नए दरवाजे खोले जाएं। "मल्टी-अलाइनमेंट" की नीति के तहत भारत अलग-अलग देशों से अपने हित के मुताबिक सहयोग बढ़ा रहा है।

देहरादून में बड़ा हादसा:

-100 मीटर गहरी खाई में गिरी HRTC बस, 3 की मौत, 35 से ज्यादा घायल

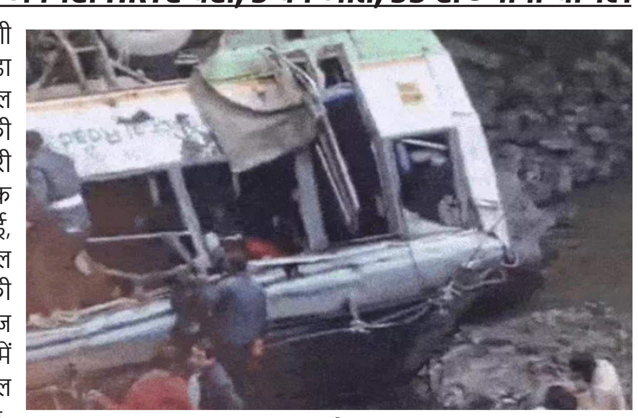

देहरादून। देहरादून जिले के त्यूणी क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब हिमाचल प्रदेश परिवहन निगम (HRTC) की एक बस करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 35 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में से 12 की हालत गंभीर है और उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत-बचाव का बड़ा अभियान चलाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक, यह बस हिमाचल प्रदेश के नेरवा-चौपाल इलाके से पांवटा साहिब जा रही थी। सुबह करीब 10 बजे जब बस हरिपुर-क्वानू मीनस मार्ग पर क्वानू के पास पहुंची, तभी अचानक चालक का नियंत्रण वाहन पर से हट गया और बस सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। जिस जगह हादसा हुआ वह पहाड़ी और संकरा मार्ग है, जहां जरा सी चूक भी भारी पड़ सकती है। हादसे के तुरंत बाद बस में सवार यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने बिना देर किए पुलिस और प्रशासन को सूचना दी और अपने स्तर पर भी बचाव कार्य शुरू कर दिया। कई घायलों को ग्रामीणों ने मिलकर खाई से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य राहत दल घटनास्थल पर पहुंचे और संगठित तरीके से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। सेनानायक अर्पण यदुवंशी के निर्देश पर SDRF की टीमें डाकपत्थर, चकराता, मोरी और त्यूणी पोस्ट से तुरंत रवाना की गईं। टीमों ने खाई में उतरकर शवों और घायलों को बाहर निकालने का काम किया। बचाव कार्य में रस्सियों और स्ट्रेचर की मदद ली गई, क्योंकि खाई काफी गहरी और ढलान खतरनाक थी। रेस्क्यू ऑपरेशन कई घंटों तक चलता रहा। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद विकासनगर के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को विशेष निगरानी में रखा गया है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए है। प्रशासन ने अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा है ताकि इलाज में कोई देरी न हो। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती अंदाजा है कि बस अनियंत्रित होने के कारण खाई में गिरी, हालांकि तकनीकी खराबी या सड़क की स्थिति जैसे पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और परिवहन विभाग से भी रिपोर्ट मांगी गई है।

एअर इंडिया के ड्रीमलाइनर विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की फ्लीट-वाइड जांच शुरू

-लंदन-बेंगलुरु फ्लाइट के बाद बढ़ी सतर्कता

नई दिल्ली। एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों में फ्यूल कंट्रोल स्विच से जुड़ी तकनीकी गड़बड़ी की एक घटना सामने आने के बाद कंपनी ने पूरे बेड़े की एहतियातन दोबारा जांच शुरू कर दी है। यह फैसला लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से बेंगलुरु आए एक विमान में स्विच के ठीक से लॉक न होने की रिपोर्ट मिलने के बाद लिया गया। इस विमान में करीब 200 यात्री सवार थे। घटना के बाद संबंधित विमान की आगे की उड़ान पर फिलहाल रोक लगा दी गई है और तकनीकी टीम उसकी विस्तृत जांच कर रही है। एअर इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मनीष उप्पल ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बोइंग 787 ड्रीमलाइनर उड़ाने वाले सभी पायलटों को एक ईमेल जारी किया है। इस ईमेल में बताया गया है कि फ्यूल कंट्रोल स्विच के लैच सिस्टम की फ्लीट-वाइड री-इंस्पेक्शन यानी पूरे बेड़े में दोबारा जांच की जा रही है। कंपनी ने यह कदम पूरी तरह एहतियात के तौर पर उठाया है ताकि भविष्य में किसी भी तरह का रिस्क न रहे और यात्रियों की सेफ्टी पूरी तरह सुनिश्चित की जा सके। फ्यूल कंट्रोल स्विच किसी भी विमान के लिए बेहद अहम हिस्सा होता है। इसी सिस्टम के जरिए इंजन तक ईंधन की सप्लाई को कंट्रोल किया जाता है। यदि यह स्विच ठीक से लॉक न हो या इसमें ढीलापन हो, तो ऑपरेशन के दौरान दिक्कत पैदा हो सकती है। हालांकि एअर इंडिया ने साफ किया है कि अब तक जिन विमानों की जांच की गई है, उनमें कोई बड़ी खराबी सामने नहीं आई है। फिर भी कंपनी किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहती और हर विमान को सख्त टेक्निकल चेक से गुजारा जा रहा है। कंपनी की इंजीनियरिंग टीम को बोइंग कंपनी के विशेषज्ञों से तालमेल के लिए भेजा गया है। बोइंग से टेक्निकल इनपुट और गाइडलाइन मिलने तक अतिरिक्त सावधानी रखी जा रही है। मेंटेनेंस स्टाफ को खास हिदायत दी गई है कि फ्यूल कंट्रोल स्विच और उससे जुड़े मैकेनिज्म की डिटेल में जांच करें और रिपोर्ट तुरंत दर्ज करें। किसी भी तरह की छोटी से छोटी गड़बड़ी को भी नजरअंदाज न किया जाए। एअर इंडिया ने अपने फ्लाइट क्रू और टेक्निकल स्टाफ को यह भी निर्देश दिया है कि विमान का हैंडओवर लेने से पहले सभी जरूरी जांच प्रक्रियाएं पूरी की जाएं। यदि संचालन के दौरान कोई असामान्य व्यवहार, ढीलापन या स्विच से जुड़ी परेशानी नजर आए तो उसे तुरंत रिपोर्ट किया जाए। कंपनी ने सेफ्टी प्रोटोकॉल को और सख्त कर दिया है ताकि ऑपरेशन पूरी तरह महफूज़ रहे। जिस घटना के बाद यह फैसला लिया गया, वह लंदन से बेंगलुरु आने वाली फ्लाइट से जुड़ी है। सोमवार को एक पायलट ने रिपोर्ट दी कि बोइंग 787 विमान का फ्यूल कंट्रोल स्विच ठीक से लॉक नहीं हो रहा था। यह विमान रविवार को लंदन हीथ्रो एयरपोर्ट से रवाना हुआ था और सोमवार सुबह बेंगलुरु पहुंचा। लैंडिंग के बाद टेक्निकल जांच में स्विच सिस्टम में गड़बड़ी का शक सामने आया। इसके बाद एहतियात के तौर पर विमान को ग्राउंड कर दिया गया और उसकी अगली उड़ान रोक दी गई। फिलहाल एअर इंडिया के बेड़े में 32 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान शामिल हैं। ये विमान लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं और अपनी ईंधन दक्षता तथा आधुनिक सिस्टम के लिए जाने जाते हैं।

भारत–अमेरिका ट्रेड डील:

-टैरिफ 50% से घटकर 18%, तेल खरीद समझौते पर ट्रम्प–मोदी सहम

नई दिल्ली। यह भारत–अमेरिका ट्रेड डील दुनिया भर की खबरों में प्रमुख रूप से सामने आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक अहम घोषणा की है कि अमेरिका ने भारत पर लागू टैरिफ (import duty) को 50% से घटाकर केवल 18% कर दिया है। इससे भारतीय सामानों पर अमेरिकी बाजार में टैक्स बोझ काफी कम होगा, जो लंबे समय से दोनों देशों के बीच प्रतीक्षित ट्रेड समझौता था। यह बदलाव टैरिफ के दो हिस्सों की वजह से हुआ है: पहले अप्रैल 2025 में 25% "रेसिप्रोकल" टैरिफ लगाया गया था, और बाद में भारत द्वारा रूस से सस्ता तेल खरीदने के कारण अतिरिक्त 25% पेनल्टी भी जोड़ी गई थी, जिससे कुल मिलाकर 50% टैरिफ बन गया था। अब अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया गया 25% पेनल्टी हटा दिया है और बाकी रेसिप्रोकल टैरिफ को घटाकर 18% कर दिया है। ट्रम्प ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत के बाद यह घोषणा की और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इसे साझा किया। ट्रम्प ने दावा किया कि मोदी ने रूस से तेल खरीदना बंद करने और अमेरिका से अधिक तेल खरीदने पर सहमति जताई है। इसके अलावा ट्रम्प ने कहा कि जरूरत पड़ी तो भारत वेनेजुएला से भी तेल ले सकता है। मोदी ने इस कदम को दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है।

सिंधु जल समझौता विवाद:

-भारत ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की सुनवाई ठुकराई, कहा—यह अदालत अवैध

नई दिल्ली। भारत ने सिंधु जल संधि (Indus Waters Treaty – IWT) के तहत गठित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (CoA) की सुनवाई में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। भारत का कहना है कि यह अदालत अवैध है और इसकी वैधता को वह स्वीकार नहीं करता, इसलिए इसकी किसी भी प्रक्रिया या आदेश का पालन नहीं करेगा। यह मामला भारत के बगलिहार और किशनगंगा जलविद्दुत परियोजनाओं से जुड़ा है, जिन पर पाकिस्तान ने आपत्ति उठाई है। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने 2–3 फरवरी को नीदरलैंड्स के पीस पैलेस में सुनवाई तय की है और भारत से इन दोनों परियोजनाओं के 'पोंडेज लॉगबुक' तथा संचालन से जुड़े दस्तावेज पेश करने को कहा है। भारत ने इन आदेशों का जवाब देने से भी इनकार कर दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि यदि भारत सुनवाई में उपस्थित नहीं होता, तो पाकिस्तान अकेले ही अपनी दलीलें पेश करेगा। साथ ही कोर्ट ने चेतावनी दी है कि जरूरी दस्तावेज नहीं दिए गए तो यह माना जा सकता है कि जानकारी जानबूझकर छिपाई जा रही है, जिससे फैसले पर असर पड़ सकता है। वह अदालत की तरह फैसला नहीं सुनाता, बल्कि तकनीकी पहलुओं पर राय देता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

विमान यात्री सुरक्षा के मानकों की निरंतर समीक्षा की ज़रूरत

एयरबस कंपनी के ए-320 विमानों में सामने आई तकनीकी खामी ने एक बार फिर वैश्विक विमानन उद्योग को चेताने का काम किया है कि केवल अत्याधुनिक तकनीक पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं है। जितनी तेज़ी से तकनीक उन्नत हो रही है, उतनी ही गंभीरता से सुरक्षा प्रक्रियाओं की कठोरता, पारदर्शिता और निरंतर समीक्षा भी ज़रूरी होती जा रही है। ए-320 जैसे विश्वसनीय माने जाने वाले विमान, जिनकी संख्या दुनिया भर में छह हज़ार से अधिक है, उनमें विकिरण के कारण कंप्यूटर डेटा के प्रभावित होने का खतरा कोई मामूली विषय नहीं है। तकनीकी तौर पर भले ही इस समस्या को सॉफ्टवेयर अपडेट या सीमित हार्डवेयर बदलाव के ज़रिए सुलझाया जा सके, लेकिन असली सवाल यात्री सुरक्षा और निर्माण के दौरान की गुणवत्ता जांच की विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ है। इस पूरी घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जिस खामी का असर उड़ान के दौरान विमान के नियंत्रण पर पड़ सकता है, वह इतने वर्षों तक न तो निर्माण चरण के दौरान पकड़ी जा सकी और न ही नियमित टेस्टिंग प्रक्रियाओं में सामने आई। आमतौर पर आधुनिक विमानों को कई स्तरों पर जांच, सिमुलेशन, सर्टिफिकेशन और वास्तविक परिस्थितियों में परीक्षण से गुज़ारने के बाद ही व्यावसायिक उड़ानों की अनुमति मिलती है। फिर भी जब तक एक वास्तविक उड़ान में गंभीर स्थिति पैदा नहीं हुई, तब तक यह दोष उजागर नहीं हुआ। यह इस बात का संकेत है कि मौजूदा परीक्षण ढांचा अब बदलते तकनीकी जोखिमों के अनुरूप पर्याप्त नहीं रह गया है। 30 अक्टूबर को जेटब्लू की एक उड़ान के दौरान यह समस्या तब सामने आई जब विमान अचानक असंतुलित होकर नीचे की ओर झुकने लगा। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पायलटों को तुरंत इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लेना पड़ा। जांच में सामने आया कि सोलर रेडिएशन के कारण नियंत्रण प्रणाली से जुड़ा डेटा करप्ट हो गया था, जिससे विमान के कंप्यूटर सिस्टम को गलत संकेत मिलने लगे। यह केवल एक तकनीकी गड़बड़ी नहीं थी, बल्कि यात्रियों की जान को सीधे खतरे में डालने वाली स्थिति थी। सौभाग्य से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन यही घटना यदि किसी और परिस्थितियों में होती, तो इसके परिणाम बेहद भयावह हो सकते थे। यह घटना वैश्विक विमानन उद्योग की उस धारणा को चुनौती देती है कि मौजूदा परीक्षण और प्रमाणन प्रणालियां हर संभावित खतरे को पहले ही पहचान लेने में सक्षम हैं। विडंबना यह है कि आधुनिक एयरोनॉटिक्स में डिज़ाइन वैलिडेशन, सॉफ्टवेयर टेस्टिंग, हार्डवेयर सर्टिफिकेशन और फ्लाइट सिमुलेशन जैसे अनेक चरण होते हैं। इसके बावजूद सोलर रेडिएशन जैसी प्राकृतिक लेकिन गंभीर चुनौती का वास्तविक प्रभाव केवल उड़ान के दौरान ही सामने आ सका। इससे यह साफ हो जाता है कि जैसे-जैसे विमानों में डिजिटल सिस्टम और ऑटोमेशन की जटिलता बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे परीक्षण का दायरा भी केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वास्तविक पर्यावरणीय परिस्थितियों को और गहराई से शामिल करना होगा।

बदलते दौर में नेतृत्व की नई कसौटी, जहाँ अनुकूलन क्षमता, विवेकपूर्ण फैसले और सिद्धांतों पर अडिग रहना सफलता तय करता है

-सच्चा लीडर बदलाव से डरता नहीं, उसे समझकर संतुलन, धैर्य और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ाता है

लगातार बदलते दौर में एक बात अब स्पष्ट हो चुकी है—स्थिरता का अर्थ जड़ता नहीं, बल्कि समझदारी भरी निरंतरता है। आज का समय अनिश्चितताओं, तेज़ तकनीकी बदलावों, बदलती बाज़ार स्थितियों और बदलती मानवीय अपेक्षाओं का समय है। ऐसे में नेतृत्व की पारंपरिक परिभाषा—जो केवल नियंत्रण, आदेश और अडिगता पर आधारित थी—अब पर्याप्त नहीं रह गई। आज लीडर का काम बदलाव का विरोध करना नहीं, बल्कि उसे समझना, दिशा देना और विवेक के साथ सुलझाना है। यही वह बुनियादी बदलाव है जो अनुकूलनशील नेतृत्व को आज की सबसे आवश्यक नेतृत्व क्षमता बनाता है।

अनुकूलन क्षमता: विकल्प नहीं, आवश्यकता

अनुकूलन क्षमता अब कोई वैकल्पिक गुण नहीं रही जिसे कुछ नेता अपनाएं और कुछ नहीं। यह आज के समय की मूल आवश्यकता बन चुकी है। जिस तरह मौसम बदलता है, उसी तरह कारोबारी माहौल, सामाजिक ढांचे, कार्य संस्कृति और तकनीक भी बदल रही है। जो संगठन और जो नेता इन बदलावों के साथ अपने सोचने, काम करने और निर्णय लेने के तरीकों को समायोजित नहीं कर पाते, वे धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं। आज का नेता वही है जो परिवर्तन को खतरे की तरह नहीं, अवसर की तरह देखता है। वह जानता है कि हर बदलाव अपने साथ असुविधा और जोखिम लाता है, लेकिन वही बदलाव भविष्य की संभावनाओं का द्वार भी खोलता है। अनुकूलनशील नेता इन संभावनाओं को पहचानता है और अपने संगठन या टीम को उसी दिशा में आगे ले जाता है।

नेतृत्व का वास्तविक काम: सुलझाना, संघर्ष करना नहीं

अक्सर देखा गया है कि बदलाव के समय लोग दो हिस्सों में बंट जाते हैं—एक वे जो बदलाव का अंधविरोध करते हैं और दूसरे वे जो बिना सोचे-समझे हर नई चीज़ को अपनाने के लिए तैयार हो जाते हैं। सच्चा नेता इन दोनों अतियों से ऊपर उठता है। उसका काम न तो बदलाव से लड़ना है और न ही उसके सामने पूरी तरह आत्मसमर्पण करना है। उसका काम है बदलाव को समझना, उसके असर का मूल्यांकन करना और फिर सोच-समझकर रास्ता निकालना। बुद्धिमत्तापूर्ण नेतृत्व वही है जो धैर्य, सौजन्य और स्पष्ट सोच के साथ निर्णय लेता है। ऐसा नेता जानता है कि हर बदलाव तुरंत परिणाम नहीं देता, लेकिन सही दिशा में किए गए छोटे-छोटे समायोजन भी लंबे समय में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

अनुकूलनशील लीडर: प्रवाह के साथ, लेकिन लक्ष्य पर नजर

कई बार अनुकूलनशीलता को केवल "लचीला होना" समझ लिया जाता है। लेकिन वास्तव में अनुकूलनशील नेता केवल परिस्थितियों के साथ बहता नहीं है। वह अपनी मंज़िल को स्पष्ट रूप से जानता है। फर्क बस इतना है कि जब रास्ते में रुकावट आती है तो वह ज़िद पर अड़ा नहीं रहता। वह अपने कदमों की गति और दिशा को समायोजित करता है, लेकिन लक्ष्य से दृष्टि नहीं हटाता। नदी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। नदी चट्टान से टकराती है तो रुकती नहीं, बल्कि रास्ता बदल लेती है। उसका उद्देश्य समुद्र तक पहुंचना होता है और वह अंततः वहां पहुंच ही जाती है। यही गुण एक अनुकूलनशील लीडर में होना चाहिए—दिशा बदलने की क्षमता, लेकिन उद्देश्य के प्रति अडिग प्रतिबद्धता।

अनुकूलन की शुरुआत: मानसिकता से

अनुकूलनशील नेतृत्व की जड़ किसी रणनीति या तकनीक में नहीं, बल्कि मानसिकता में होती है। जिन नेताओं में विकासशील मानसिकता (Growth Mindset) होती है, वे मानते हैं कि सीखना जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है। वे यह स्वीकार करते हैं कि वे सब कुछ नहीं जानते और उन्हें बार-बार सीखने की ज़रूरत है। ऐसे नेता न केवल सीखने के लिए तैयार रहते हैं, बल्कि यह भी मानते हैं कि कभी-कभी सीखे हुए को भूलना भी पड़ता है। पुराने तरीकों से भावनात्मक रूप से जुड़े रहने के बजाय वे वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करते हैं—क्या यह तरीका आज भी उतना ही प्रभावी है? क्या यह हमें हमारे लक्ष्य के करीब ले जा रहा है? यदि उत्तर 'न' है, तो वे नये विकल्प खोजने से नहीं हिचकिचाते।

परंपरा और परिवर्तन के बीच संतुलन

अनुकूलनशील नेता परंपरा का सम्मान करते हैं, लेकिन उसके बंदी नहीं बनते। वे जानते हैं कि हर परंपरा किसी समय में उपयोगी रही है, लेकिन समय बदलने पर हर परंपरा की समीक्षा ज़रूरी है। यहाँ संतुलन की भूमिका सबसे अहम हो जाती है। एक समझदार लीडर यह तय करता है कि किन मूल्यों को स्थिर रखना है और किन प्रक्रियाओं में बदलाव लाना है। मूल्य आत्मा होते हैं और प्रक्रियाएं शरीर। आत्मा को खोए बिना शरीर को बदला जा सकता है। यही संतुलन संगठन को न केवल जीवित रखता है, बल्कि उसे आगे बढ़ने की शक्ति भी देता है।

सिद्धांतों की अखंडता, तरीकों में लचीलापन

सच्ची अनुकूलनशीलता का अर्थ सिद्धांतों से समझौता करना नहीं है। यह एक आम भ्रांति है कि लचीला नेता अपने मूल्यों को त्याग देता है। वास्तव में स्थिति इसके ठीक उलट है। अनुकूलनशील नेता अपने सिद्धांतों के प्रति उतना ही दृढ़ होता है, जितना वह अपने तरीकों में लचीला होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता, न्याय और सम्मान जैसे मूल्य समय के साथ नहीं बदलते। लेकिन इन्हें लागू करने के तरीके समय, स्थान और परिस्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। यही कला एक लीडर को साधारण प्रशासक से अलग बनाती है।

असुविधा: एक शिक्षक के रूप में

बदलाव के साथ असुविधा आना स्वाभाविक है। अनिश्चितता, अस्पष्टता और अस्थिरता लोगों को असहज करती है। लेकिन अनुकूलनशील नेता असुविधा से भागते नहीं, वे उसे सीखने के अवसर के रूप में देखते हैं। ऐसा नेता यह समझता है कि आरामदायक हालात अक्सर विकास को सीमित कर देते हैं। जब स्थितियां चुनौतीपूर्ण होती हैं, तभी व्यक्ति और संगठन अपनी वास्तविक क्षमताओं को पहचानते हैं। अनुकूलनशील नेता इस असुविधा में भी स्पष्टता खोजने की कोशिश करते हैं और अपनी टीम को भरोसा दिलाते हैं कि यह दौर भी सीख और प्रगति लेकर आएगा।

अस्पष्टता में भी स्पष्टता की खोज

आज का समय "स्पष्ट निर्देशों" का नहीं, बल्कि "अस्पष्ट परिस्थितियों" का समय है। हर सवाल का सीधा जवाब उपलब्ध नहीं होता। ऐसे में नेता की भूमिका और भी कठिन हो जाती है। अनुकूलनशील नेता इस अस्पष्टता से डरते नहीं। वे प्रश्न पूछते हैं, संवाद को प्रोत्साहित करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों को साथ लाने की कोशिश करते हैं। वे जानते हैं कि सभी उत्तर उनके पास नहीं होंगे, लेकिन सही प्रश्न पूछने से दिशा तय हो सकती है। यह विनम्रता—कि "मैं सब नहीं जानता"—अनुकूलनशील नेतृत्व की सबसे बड़ी ताकत है।

कठोरता और विनम्रता का संतुलन

अक्सर यह माना जाता है कि या तो नेता सख्त होता है या विनम्र। लेकिन अनुकूलनशील नेतृत्व इन दोनों के बीच एक स्वस्थ संतुलन स्थापित करता है। जब मूल्यों और लक्ष्यों की बात आती है, तो ऐसा नेता दृढ़ और सख्त होता है। लेकिन जब सीखने, संवाद और मानवीय संवेदनाओं की बात होती है, तो वह उतना ही विनम्र और सहानुभूतिशील होता है। यही संतुलन लोगों में विश्वास पैदा करता है। टीम जानती है कि उनका नेता न तो मनमानी करेगा और न ही दबाव में अपने सिद्धांत छोड़ेगा।

संगठन को केवल जीवित नहीं, समृद्ध बनाना

अनुकूलनशील नेता अपने संगठनों को केवल बदलाव से "बचाने" पर ध्यान नहीं देते, बल्कि उन्हें बदलाव के ज़रिए "समृद्ध" करने का प्रयास करते हैं। वे परिवर्तन को विकास का साधन बनाते हैं। ऐसे नेता भविष्य को लेकर डर फैलाने के बजाय आशा और तैयारी का भाव पैदा करते हैं। वे कर्मचारियों और सहयोगियों को यह एहसास दिलाते हैं कि बदलाव उनका दुश्मन नहीं, बल्कि उनकी क्षमताओं को निखारने का अवसर है।

भविष्य का नेतृत्व अनुकूलनशील है

बदलते परिवेश में स्थिर रहने का अर्थ पुराने ढांचे को कसकर पकड़ना नहीं, बल्कि अपनी जड़ों को मजबूत रखते हुए नए आकाश की ओर बढ़ना है। अनुकूलन क्षमता ही वह सेतु है जो वर्तमान और भविष्य को जोड़ती है। आज का लीडर वही है जो बदलाव को समझदारी से सुलझाता है, असुविधा से सीखता है, सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए तरीकों में लचीलापन लाता है और अपनी टीम को केवल जीवित रहने नहीं, बल्कि आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

दिवस विशेष

सुनील कुमार महला

मीर तकी मीर : दर्द को गीत बनाने वाला शायर

साहित्यकार, उर्दू साहित्य के महानतम शायर मीर तकी मीर (1723–1810) का 3 फरवरी को जन्मदिन मनाया जाता है। मीर तकी मीर सिर्फ़ ग़ज़ल के शायर नहीं थे, वे अपने समय की टूटी हुई रूह की आवाज़ थे। मीर उर्दू ग़ज़ल को शिखर तक पहुंचाने वाले बड़े कवि थे। पाठकों को बताता चलूं कि उन्हें 'ख़ुदा-ए-सुख़न' यानी कि शायरी का ख़ुदा/ भगवान कहा जाता है। उनकी शायरी में दर्द, मोहब्बत, तन्हाई और मानवीय संवेदना गहराई से झलकती है। उर्दू ही नहीं, फ़ारसी भाषा पर भी उनकी मज़बूत पकड़ थी। मीर को उर्दू के उस प्रचलन के लिए याद किया जाता है जिसमें फ़ारसी और हिन्दुस्तानी के शब्दों का अच्छा मिश्रण और सामंजस्य हो। उपलब्ध जानकारी के अनुसार उनका जन्म आगरा में तथा मृत्यु लखनऊ में हुई।

मीर तक़ी मीर को उर्दू में शेर कहने का प्रोत्साहन अमरोहा के सैयद सआदत अली ने दिया। उनका मूल नाम मोहम्मद तकी था। उनकी प्रमुख कृतियों की यदि हम यहां पर बात करें तो इनमें क्रमशः ज़िक्र-ए-मीर (आत्मकथा), कुल्लीयते-मीर (उर्दू रचनाओं के छह दीवानों का संग्रह), कुल्लीयते-फ़ारसी (फ़ारसी रचनाओं का संग्रह), फ़ैज़-ए-मीर (पांच कहानियों का संग्रह), नुकत-उस-शूरा (फ़ारसी ज़बान में लिखी तत्कालीन उर्दु रचनाकारों की जीवनियां) आदि को शामिल किया जाता है। वैसे, वे 'दर्द के शायर' कहलाते हैं।

दरअसल, मीर की ज़िंदगी मुफ़लिसी (गरीबी), अपनों को खोने के गम और दिल्ली की बर्बादी को देखने में गुजरी। यही वजह है कि उनकी शायरी में 'हूक' और 'टीस' महसूस होती है। उन्होंने खुद एक बार यह कहा था-'मुझको शायर न कहो मीर कि साहब मैंने, कितने ग़म जमा किए तो दीवान किया।' कहना ग़लत नहीं होगा कि दिल्ली के उजड़ने, परिवार की मौतों, गरीबी और बेघर होने ने उन्हें भीतर से तोड़ दिया था। उनकी शायरी दरअसल आत्मकथा की पंक्तियां हैं। उनकी यह पंक्ति देखिए-'पत्थर की भीत क्या करूं, आंसू जो ढल गए।' गौरतलब है कि नादिर शाह और अहमद शाह अब्दाली के हमलों के बाद दिल्ली उजड़ चुकी थी। मीर ने दिल्ली छोड़कर लखनऊ जाना तो स्वीकार किया, लेकिन वे वहां दिल से कभी बस नहीं पाए। मीर की सबसे बड़ी खूबी उनकी भाषा थी। वास्तव में, वे बहुत ही आसान शब्दों में दिल की गहरी बात कह देते थे। इसे तकनीकी भाषा में 'सहल-ए-मुमतन्ना' कहा जाता है-यानी ऐसी चीज़ जो देखने में आसान लगे, पर उसे दोबारा लिखना नामुमकिन हो। महान शायर मिर्जा ग़ालिब भी उनके कायल थे। सच तो यह है कि ग़ालिब ने मीर को अपना उस्ताद माना।

ग़ालिब जैसे आत्मविश्वासी शायर ने कहा-' रेख़्ते के तुम ही उस्ताद नहीं हो ग़ालिब, कहते हैं अगले ज़माने में कोई मीर भी था।' वास्तव में यह मीर की श्रेष्ठता की सबसे बड़ी गवाही है। मोहब्बत की कैफियत को बयां करते हुए उन्होंने कहा था-'इब्तिदा-ए-इश्क़ है रोता है क्या, आगे-आगे देखिए होता है क्या।' 'हस्ती अपनी हबाब की सी है, ये नुमाइश सराब की सी है।','नाज़ुकी उसके लब की क्या कहिए, पंखुड़ी एक गुलाब की सी है।','मीर उन नीम-बाज़ आंखों में, सारी मस्ती शराब की सी है।' उनकी कुछ अमर पंक्तियों में से एक हैं। आत्म स्वीकृति के बारे में एक बार उन्होंने कहा था -'शायर मुझमें और भी हैं, पर मीर का मुक़ाबला कौन करे।' मीर सिर्फ़ उर्दू ग़ज़ल के शायर ही नहीं, बल्कि अपने समय के टूटे हुए समाज, उजड़ती दिल्ली और बिखरते इंसान की संवेदनाओं के सच्चे दस्तावेज़ हैं।

उनकी शायरी में बनावटी सौंदर्य नजर नहीं आता है। वास्तव में उनकी शायरी जीवन के गहरे ज़ख़्मों से निकली हुई सच्चाई है। अपने जीवन में निजी दुख, मानसिक पीड़ा, गरीबी और उपेक्षा के बावजूद मीर ने उर्दू और फ़ारसी भाषा को आम आदमी के दिल तक पहुंचाया और ग़ज़ल को आत्मा की आवाज़ बना दिया। उनका दर्द रचना है। अन्य शायरों की तरह वे कभी शोर नहीं करते, बल्कि रचनाओं में फुसफुसाते हैं और उनकी वही फुसफुसाहट सदियों बाद भी पाठकों के दिल में उतर जाती है। इसलिए मीर को पढ़ना सिर्फ़ साहित्य का अनुभव नहीं, बल्कि इंसान होने का अनुभव है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हड़बड़ी न करें, क्योंकि धैर्य का फल हमेशा मीठा होता है!

संकलित

दर्शन

किसी गुरुकुल में गुरुदेव बालकों को बाण चलाना सिखा रहे थे। एक अतिउत्साही शिष्य ने धनुष को इतनी जोर से खींचा कि उसके दो टुकड़े हो गए। गुरुदेव ने शिष्य को ज्ञान दिया कि अधीरता से योग्यता अपव्यय हो जाती है। लक्ष्य को भेदने के लिए जितनी ऊर्जा की आवश्यकता है उससे अधिक या कम ऊर्जा का प्रयोग करने पर लक्ष्य को साधना असंभव है। हमारा जीवन भी एक धनुष के समान है। यदि धैर्यपूर्वक ऊर्जा को धीरे-धीरे संचित करने के बाद नियंत्रण के साथ इसे व्यय करने की कला सीख ली जाए तो लक्ष्य कितनी ही दूरी पर क्यों न हो उसे प्राप्त करना असंभव नहीं है। धैर्य का अर्थ मूक रहकर मात्र प्रतीक्षा करना नहीं है। धैर्य का अर्थ है उत्तेजनारहित होकर अपने कार्य में निरंतर संलग्न रहना। किसी कार्य के प्रति अतिउत्साह अथवा असंयम उक्त कार्य के फल को परिपक्व नहीं होने देता। चाक पर चढ़े कच्चे घड़े को यदि आतुरता में समय से पहले उतार लिया जाए तो उसका आकार विकृत हो जाता है। हमें ऐसा भ्रम हो सकता है कि जीवन में प्रगति इतनी धीमी गति से हो रही है कि कोई परिवर्तन दिखाई नहीं देता। हम परिवर्तन की चाह में धैर्य खो बैठते हैं और शीघ्र सफलता की आकांक्षा में हड़बड़ी में ऐसे निर्णय ले बैठते हैं, जिनसे हमारा भविष्य बिगड़ सकता है। युवाओं में ऊर्जा का अधिक भंडार होता है। यह ऊर्जा उन्हें कार्य को जल्द से जल्द संपादित करके फल प्राप्ति के लिए लालायित करती है। उन्हें इस ऊर्जा का सदुपयोग करना नहीं आता।

अहंकार का त्याग ही तपस्या का मूलमंत्र है

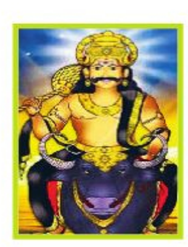

संकलित

प्रेरणा

एक साधु व एक डाकू एक ही दिन मरकर यमलोक पहुंचे धर्मराज उनके कर्मों का लेखा-जोखा खोलकर बैठे थे और उसके हिसाब से उनकी गति का हिसाब करने लगे। धर्मराज ने दोनों से कहाः मैं अवसर देता हूं, कह सकते हो। डाकू अत्यंत विनम्र शब्दों में बोला महाराजः मैंने जीवन भर पापकर्म किए जिसने केवल पाप ही किया हो वह क्या आशा रखे आप जो दंड दें, मुझे स्वीकार है। डाकू के चुप होते ही साधु बोला महाराजः मैंने आजीवन तपस्या और भक्ति की है मैं कभी असत्य के मार्ग पर नहीं चला। धर्मराज ने दोनों की बात सुनी फिर डाकू से कहाः तुम्हें दंड दिया जाता है कि तुम आज से इस साधु की सेवा करो डाकू ने सिर झुकाकर आज्ञा स्वीकार कर ली। यमराज की यह आज्ञा सुनकर साधु ने आपत्ति जताते हुए कहाः महाराज! इस पापी के स्पर्श से मैं अपवित्र हो जाऊंगा मेरी तपस्या तथा भक्ति का पुण्य निरर्थक हो जाएगा मेरे पुण्य कर्मों का उचित सम्मान नहीं हो रहा है। धर्मराज को साधु की बात पर बड़ा क्षोभ हुआ वह क्षुब्ध होकर बोलेः निरपराध व्यक्तियों को लूटने और हत्या करने वाला डाकू मर कर इतना विनम्र हो गया कि तुम्हारी सेवा करने को तैयार है। तुम वर्षों के तप के बाद भी अहंकार ग्रस्त ही रहे यह नहीं जान सके कि सब में एक ही आत्मतत्व समाया हुआ है तुम्हारी तपस्या अधूरी और निष्फल रही अतः आज से तुम इस डाकू की सेवा करो, और तप को पूर्ण करो।

शिव प्रतिमा

हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में सोमवार को खिली धूप वाले में धौलाधार रेंज की बर्फ से ढकी चोटी पर भगवान शिव की बन रही मूर्ति।

आज की पाती

शादियों में लुप्त होती लोक संस्कृति

शादियों में अकसर जो लोकगीत महिलाओं द्वारा गाए जाते थे, अब यह शादियों में कम ही सुनने को मिलते हैं। यही नहीं कुछ समय पहले तक तो शादी तीन-चार दिन तक चलती थी, सभी रिश्तेदार एक साथ मिल बैठते, इससे रिश्तों की डोर मजबूत होती थी। शादियों में ऐसे लोकगीत महिलाओं द्वारा गाए जाते थे, जिनमें लोक सभ्यता, संस्कृति और इतिहास की खुशबू आती थी। लेकिन अफसोस अब हमारी शादियों पर भी पश्चिमी सभ्यता का रंग चढना शुरू हो गया, इस कारण न तो शादियों में वो पुराने लोकगीत सुनने को मिलते और न ही वो खान-पान। अगर हमें अपनी भावी पीढ़ी को रिश्तों की कद्र करना सिखानी है, तो हमें अपनी लोक संस्कृति की विरासत को संभालकर रखना होगा।

- मिलींद जोशी, बिलासपुर

ट्रेंड

उल्लेखनीय बढ़ोतरी

दिल्ली में केंद्र सरकार के सहयोग से चल रही योजनाओं के बजट में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हम इस बढ़े हुए प्रावधान का अधिकतम लाभ उठाकर हर योजना को तेज गति से जमीन पर उतारेंगे, ताकि दिल्लीवासियों तक पूरा लाभ पहुंचे और विकसित दिल्ली का निर्माण हो पाए।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

स्वास्थ्य सेवा मॉडल

गोवा को वास्तविक स्वास्थ्य सेवा और ईमानदार सरकार की ज़रूरत है जो इसे लागू कर सके। पोंडा टाउन हॉल में, मैंने बताया कि कैसे आम आदमी पार्टी का सिद्ध स्वास्थ्य सेवा मॉडल हर गोवावासी के लिए आशा और गुणवत्तापूर्ण देखभाल ला सकता है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

प्रदेश से सौतेलापन

देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान का बजट भाषण में कोई मेंशन न होना प्रदेश के साथ हो रहे सौतेलेपन की झलक है। कुल मिलाकर डबल इंजन के बावजूद यह बजट राजस्थान के लिए 'ऊंची दुकान फीका पकवान' साबित हुआ है।

-अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

बजट में नहीं समाधान

मोदी सरकार के पास अब सोच की कमी है, आईडिया खत्म हो गए हैं। आम बजट 2026 भारत की कई आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का एक भी समाधान नहीं देता है।

-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

रफाह सीमा क्रॉसिंग सीमित आवागमन के लिए फिर खुली

मिस्र और इजराइल के सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि गाजा की मिस्र से सटी रफाह सीमा क्रॉसिंग सीमित आवाजाही के लिए फिर से खोल दी गई है, जो हमास के साथ संघर्षविराम के आगे बढ़ने की दिशा में एक अहम कदम है। मिस्र के एक अधिकारी ने बताया कि क्रॉसिंग को खोले जाने के पहले दिन 50 फलस्तीनी आ–जा सकेंगे, लेकिन इसके खुलने के पहले घंटे में किसी को भी वहां से गुजरते नहीं देखा गया। मिस्र के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता वाले लगभग 20,000 फलस्तीनी बच्चे और वयस्क इस सीमा मार्ग से तबाह गाजा से बाहर निकलने की उम्मीद कर रहे हैं। क्षेत्र से बाहर रहने वाले हजारों अन्य फलस्तीनी भी इस सीमा मार्ग से प्रवेश करने और अपने घर लौटने की उम्मीद कर रहे हैं। मिस्र के सरकारी मीडिया और एक इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने भी सीमा क्रॉसिंग दोबारा खुलने की पुष्टि की। अधिकारियों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर 'एसोसिएटेड प्रेस' को यह जानकारी दी। युद्ध से पहले, रफाह गाजा में आने–जाने वाले लोगों के लिए मुख्य मार्ग था। इस क्षेत्र के कुछ अन्य मार्ग भी हैं जो इजराइल के साथ जुड़ते हैं।

ऑफ बीट

एआई को लिखने और गिनने में क्यों होती है कठिनाई

एआई छवि जनरेटर क्या उत्पादन कर सकते हैं और हम क्या कर सकते हैं, के बीच एक अजीब असमानता बनी हुई है। उदाहरण के लिए, ये उपकरण अक्सर वस्तुओं की गिनती और सटीक पाठ तैयार करने जैसे सरल दिखने वाले कार्यों के लिए संतोषजनक परिणाम नहीं देते हैं। यदि जनरेटिव एआई रचनात्मक अभिव्यक्ति में इतनी अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंच गया है, तो इसे उन कार्यों के साथ संघर्ष क्यों करना पड़ता है जिन्हें एक प्राथमिक विद्यालय का छात्र भी अच्छे से कर सकता है? अंतर्निहित कारणों की खोज से एआई की जटिल संख्यात्मक प्रकृति और इसकी क्षमताओं की बारीकियों पर प्रकाश डालने में मदद मिलती है। लेखन में एआई की सीमाएँ मनुष्य विभिन्न फ़ॉन्ट और लिखावट में लिखे गए पाठ प्रतीकों (जैसे अक्षर, संख्या और चिन्हों) को आसानी से पहचान सकते हैं। हम विभिन्न संदर्भों में भी पाठ तैयार कर सकते हैं, और समझ सकते हैं कि संदर्भ कैसे अर्थ बदल सकता है। वर्तमान एआई छवि जनरेटर में इस अंतर्निहित समझ का अभाव है। उन्हें इस बात की कोई सच्ची समझ नहीं है कि किसी पाठ प्रतीक का क्या मतलब है। ये जनरेटर बड़ी मात्रा में छवि डेटा पर प्रशिक्षित कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क पर बनाए गए हैं, जिससे वे संबंधों को 'सीखते हैं' और भविष्यवाणियां करते हैं।

शहरी विकास परियोजनाओं की कार्ययोजना में भविष्य की आवश्यकताओं को दें प्राथमिकता- भजनलाल शर्मा

-हर शहर बने नागरिक-केन्द्रित विकास का मॉडल
-परियोजनाओं में निर्धारित समय-सीमा का रखें विशेष ध्यान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शहरी विकास से जुड़ी परियोजनाओं में भविष्य की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए ताकि राजस्थान का हर शहर सस्टेनेबल और नागरिक-केन्द्रित विकास का नया मॉडल बन सके। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता के साथ ही निर्धारित समय-सीमा का भी पूरा ध्यान रखा जाए ताकि आमजन को इन सुविधाओं का लाभ समय पर मिल सके। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगरीय क्षेत्रों में सड़क, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता, पेयजल एवं आवास संबंधी प्रगतिरत परियोजनाओं में तेजी लाते हुए शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही, शहरी क्षेत्रों में बस स्टैण्ड्स के निर्माण के लिए मॉडल बनाया जाए, जिसके अंतर्गत स्थानीय आवश्यकता के अनुसार विभिन्न श्रेणियों का निर्धारण किया जाए।

लंबित न्यायिक मामलों का हो निस्तारण, विभागीय स्तर पर करें पूरी तैयारी-

मुख्यमंत्री ने लंबित न्यायिक मामलों के निस्तारण पर जोर देते हुए कहा कि इनके त्वरित निस्तारण के लिए विभागीय स्तर पर पूरी तैयारी की जाए एवं इसमें विभाग की ओर से देरी होने पर जिम्मेदारी तय की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने जयपुर शहर के मेट्रो फेज-2, विभिन्न फ्लाइओवर्स, आरयूबी एवं एलिवेटेड रोड के प्रगतिरत कार्यों के साथ ही विभिन्न शहरों के सड़क निर्माण कार्यों, सीवरेज लाईन, सीवरेज मास्टर प्लान एवं ड्रेनेज के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सीकर शहर में सुगम आवागमन एवं जल निकासी की व्यवस्था के लिए प्लान तैयार करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित मुख्यमंत्री कार्यालय, वित्त, नगरीय विकास व आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अजमेर में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की केन्द्रीय बजट 2026—27 पर प्रेस वार्ता

-विकसित भारत@2047 के लिए दिशा देने वाला है बजट- दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय बजट 2026—27 के सम्बन्ध में अजमेर में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रस्तुत केन्द्रीय बजट देश को विकसित भारत की दिशा में मजबूती से आगे ले जाने वाला बजट है। पहली बार कर्तव्य भवन में निर्मित माननीय केन्द्रीय वित मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा प्रस्तुत यह बजट तीन कर्तव्यों पर आधारित है। इसमें आर्थिक स्थिरता, समावेशी विकास, भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ सबका साथ-सबका विकास को बल दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस बजट को देखकर निश्चित तौर पर यह कहा जा सकता है कि ज्ञान (जीवाईएएन) यानी जी-गरीब, वाई-युवा, ए-अन्नदाता, एन-नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार समर्पित है। बजट के आधार तीन कर्तव्य तेज और सतत आर्थिक वृद्धि, आम नागरिकों की उम्मीदों को पूरा करना तथा सबका साथ-सबका विकास है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सतत आर्थिक वृद्धि के लिए इस बजट की सबसे बडी विशेषता इनफ्रास्ट्रक्चर पर भारी निवेश है। इसके अंतर्गत प्रोडक्शन और मेन्यूफेक्चर सेक्टर को बढ़ावा देना है। बजट में इण्डिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 रेयर अर्थ कॉरीडोर, केमिकल पार्क केपीटल गुड्स प्रोडक्शन को बढ़ावा दिया गया है। इलेक्ट्रोनिक्स कम्पोनेट्स योजना का विस्तार 40 हजार करोड की लागत से किया गया है। दस हजार करोड से बायो फॉर्मा शक्ति योजना बनाई गई हैं। चैम्पियन एमएसएमई को बनाने की एक नई पहल से मध्यम एंव लघु उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। इससे रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। इसी सेक्टर के ग्रोथ के लिए 10 हजार करोड का एसएमई ग्रोथ फन्ड का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार के द्वारा बजट में 12.2 लाख करोड का पब्लिक केपीटल एक्सपेन्डिचर फन्ड प्रस्तावित किया गया है जो अब तक का सबसे अधिक हैं। इसके साथ ही कुल मिलाकर प्रभावी केपेक्स 17.1 लाख करोड, यानी देश की जीडीपी का 4.4 प्रतिशत तय किया गया है। इससे सड़के, रेलवे, लोजिस्टिक इन्डस्ट्रीयल एरिया, शहरी ढांचा और कनेक्टीविटी पर बड़े स्तर पर काम होगा। इन्फ्रॉस्ट्रक्चर वृद्धि से रोजगार पैदा होंगे, निवेश में वृद्धि होगी जिससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि बजट में घोषित नए फ्राइट कॉरीडोर, 20 नए जलमार्ग, कॉस्टल कार्गो योजना, सात हाई स्पीड रेलवे कॉरीडोर, 20 हजार करोड का सीसीयूएस निवेश, सिटी इकोनोमिक रिजन्स का विकास, टीयर 2 और टीयर 3 शहरों में कॉपोरेट मित्रों की नियुक्ति सरकार के प्रथम कर्तव्य तेज और सतत आर्थिक वृद्धि को दर्शाता हैं।

बजीरपुर नगर पालिका की अनदेखी, 6 सूत्रीय मांगों को लेकर जनता में रोष

हनीस शेख

गंगापुर सिटी (रॉयल पत्रिका)। बजीरपुर नगर पालिका क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर आम जनता ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका को बने लगभग दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज तक नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं। इसी को लेकर आम जनता की ओर से उपखंड कार्यालय बजीरपुर के माध्यम से अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें नगर की समस्याओं के समाधान हेतु 6 प्रमुख मांगें रखी गई हैं। ज्ञापन में बताया गया कि नगर पालिका क्षेत्र में पूर्व में स्वीकृत कुछ विकास कार्यों को बिना ठोस कारण के निरस्त कर दिया गया, जिससे विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। नागरिकों ने इन कार्यों को पुनः स्वीकृत कर वैकल्पिक योजनाओं को लागू करने की मांग की है।

ये हैं जनता की प्रमुख मांगें-

नगर पालिका क्षेत्र में निरस्त किए गए विकास कार्यों को पुनः स्वीकृत किया जाए। सभी कॉलोनियों में स्ट्रीट लाइटें शीघ्र लगाई जाएं, साथ ही श्मशान घाट, कब्रिस्तान, मंदिर व मस्जिद जैसे धार्मिक स्थलों पर भी पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हो। बजीरपुर रोड सहित विभिन्न कॉलोनियों में सड़कों का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाए तथा कचरा फैलाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हो। नगर क्षेत्र में निजी कारों को टोल टैक्स से राहत दी जाए। नालियों की नियमित सफाई कराई जाए और टूटी नालियों की मरम्मत की जाए। जिन कॉलोनियों में अब तक पेयजल पाइपलाइन नहीं बिछी है, वहां पाइपलाइन कार्य तुरंत पूरा किया जाए तथा क्षतिग्रस्त लाइनों को बदला जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे, जिनमें सामाजिक कार्यकर्ता मोनिश खान, आदिल खान (वजीरपुर), सोहिल खान, जिलानी सुल्तान, कासिम चौधरी, झंडी लाल, हिमांशु (जगरबाद), कल्लू (वजीरपुर), मोनिश विकार, हप्पुल कुरैशी, मोसिन कुरैशी और फैजान गद्दी सहित अन्य लोग शामिल रहे। आम जनता ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो उपखंड कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

UGC समता विनियम 2026 पर सुप्रीम कोर्ट के स्टे का जाटव समाज ने किया विरोध

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार द्वारा जारी UGC (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु) विनियम, 2026 पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए स्टे को लेकर जाटव समाज में गहरा रोष व्याप्त है। इसी क्रम में जाटव छात्रावास, महुआ रोड, हिंडौन में जाटव समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज के प्रबुद्धजनों एवं युवाओं ने एक स्वर में इस स्टे का विरोध करते हुए केंद्र सरकार से सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष पूरी मजबूती से रखने की मांग की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत, सामाजिक और मानसिक उत्पीड़न के मामलों में 118 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है, ऐसे में समानता और सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले इस विनियम को लागू होने से पहले ही गलत ठहरा देना दुर्भाग्यपूर्ण और समाज विरोधी कदम है। बैठक को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रिंकू खेड़ी हैवत ने कहा कि यह विनियम केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि SC, ST, OBC, अल्पसंख्यक, दिव्यांग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए कानूनी सुरक्षा कवच है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में लंबे समय से भेदभाव, अपमान और उत्पीड़न की शिकायतें सामने आती रही हैं, जिन पर अब तक ठोस कार्रवाई का अभाव रहा है। रिंकू खेड़ी हैवत ने स्पष्ट किया कि "यदि सरकार वास्तव में बहुजन समाज की हितैषी है, तो उसे इस ऐतिहासिक विनियम के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट, तथ्यपरक और मजबूती से अपना पक्ष रखना चाहिए। शिक्षा में समानता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान का मूल तत्व है, इससे कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।" बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस विषय पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत समाज में जागरूकता हेतु पैम्फलेट तैयार कर वितरित किए जाएंगे, तहसील स्तर पर लगातार बैठकें आयोजित की जाएंगी, और इन बैठकों में SC, ST, OBC समाज के लोगों को आमंत्रित कर इस विनियम की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर उजागर, प्रदीप, गुट्टीराम, संतोष, अजीत, मनीष संतोष एवं रिंकू खेड़ी हैवत गोपाल फौजी सहित अनेक समाजसेवी एवं युवा उपस्थित रहे। सभी ने एकमत होकर कहा कि शिक्षा में समान अवसर और सम्मान की लड़ाई को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं पड़ने दिया जाएगा।

यज्ञ सम्राट मोनी बाबा शोभानंद भारती महाराज के सानिध्य में कलश यात्रा निकाली गई

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महुआ के चौड़ीकी पाखर में विराट हिंदू सम्मेलन के तहत यज्ञ सम्राट मोनी बाबा शोभानंद भारती महाराज के सानिध्य में कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का आयोजन आम जनता चौड़ाकी पाखर द्वारा किया गया था।कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण किए हुए भाग लिया। यात्रा में हजारों महिला और पुरुष शामिल हुए, जो भगवान की जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। यात्रा का आयोजन चौड़ाकी पाखर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए निकाला गया, जहां जगह-जगह पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यज्ञ सम्राट मोनी बाबा शोभानंद भारती महाराज ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज में एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि हिंदू सम्मेलन का उद्देश्य समाज को जागरूक करना और हिंदू संस्कृति को बढ़ावा देना है। जिसके आयोजन कर्ता आम जनता चौड़ाकी पाखर के ग्रामीण ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन आगे भी किए जाते रहेंगे, जिससे समाज में एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिल सके।इस अवसर पर ग्रामीण रामनिवास सेक्रेटरी, हीरालाल मास्टर, जीतू सैनी सेक्रेटरी, श्याम शर्मा, सोनू सैनी, कुलदीप सिंह खटाना, प्रवीण गुर्जर, टीकम सैनी, चेतन कौशल सैनी, राकेश सैनी, रामनिवास सैनी, निरंजन सैनी, देव कांवर द्वारका सैनी सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

किसान, युवा, महिला, ग्रामीण, रोज़गार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर पूरी तरह विफल रहा केंद्र सरकार का बजट- सांसद हरीश चंद्र मीना

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। टोंक–सवाई माधोपुर सांसद हरीश चन्द्र मीना ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026 को किसान-विरोधी, युवा-विरोधी, महिला-विरोधी, ग्रामीण-विरोधी और रोज़गार-विरोधी बताते हुए इसे सामाजिक न्याय के खिलाफ करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आमजन की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतरने में विफल रहा है। सांसद मीना ने कहा कि बजट में न तो किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी गई है, न ही महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा को लेकर कोई ठोस प्रावधान किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार सृजन हेतु कोई नई योजना नहीं लाई गई, जिससे स्पष्ट है कि सरकार को ग्रामीण भारत की चिंताओं से कोई सरोकार नहीं है। शिक्षा जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र की बजट में उपेक्षा:- उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र की इस बजट में पूरी तरह उपेक्षा की गई है, जो देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। साथ ही दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए भी बजट में कोई ठोस या नई योजना शामिल नहीं की गई, जिससे साफ़ जाहिर होता है कि सरकार गरीब और वंचित वर्गों को और पीछे धकेल रही है।सांसद ने आरोप लगाया कि बजट में पूंजीपतियों को खुलेआम लाभ पहुंचाया गया है। देश का पैसा लूटने वालों को सज़ा से राहत देते हुए केवल 30 प्रतिशत टैक्स जमा कर काले धन को सफ़ेद करने जैसे प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट आम जनता से संसाधन छीनकर चुनिंदा उद्योगपतियों को सौंपने का दस्तावेज़ है, जिसे देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि उन्हें आशा थी कि इस बजट में अजमेर–सवाई माधोपुर वाया टोंक रेल मार्ग के निर्माण की घोषणा की जाएगी तथा हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित टोंक एवं सवाई माधोपुर जिलों के लिए किसी विशेष आर्थिक पैकेज का प्रावधान किया जाएगा, लेकिन माननीय वित्त मंत्री द्वारा इस विषय में एक शब्द भी नहीं बोला गया, जो क्षेत्र की जनता के प्रति घोर उपेक्षा को दर्शाता है।

राजस्थान में बढ़ती फर्जी रिपोर्टिंग और नकली अखबारों का नेटवर्क बेनकाब

-प्रशासन और समाज दोनों परेशान

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के कई विभागों में फर्जी रिपोर्टरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। आज सरकारी महकमे हों या निजी संस्थान—कई ऐसे लोग सक्रिय हैं जो खुद को पत्रकार बताकर दबाव, धमकी और ब्लैकमेलिंग जैसी गतिविधियों में संलिप्त हैं। स्थिति और गंभीर तब हो गई है जब इन फर्जी रिपोर्टरों ने फर्जी समाचार पत्रों (नकली न्यूजपेपर) का नेटवर्क भी स्थापित कर लिया है। इन पर प्रिंट व डिजिटल दोनों रूपों में बिना पंजीकरण, बिना मान्यता व बिना जाँच-पड़ताल के "अखबार" छापे जा रहे हैं, जिनके हवाले से अफसरशाहों, अधिकारियों और विभागों को बदनाम करने तथा संवेदनशील जानकारी फैलाने की कोशिशें की जा रही हैं। अधिकारियों के अनुसार इन फर्जी न्यूजपेपरों में अक्सर अतिरंजित, भ्रामक या पूरी तरह से झूठी खबरें प्रकाशित की जाती हैं। अलग-अलग नामों से दफ्तर चालू कर कई लोग सरकारी कामकाज में दखल देने, अनुचित लाभ लेने व दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कई अखबारों के पते, पंजीकरण व मान्यता संदिग्ध पाए गए हैं, जिससे वास्तविक पत्रकारिता की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। इस वजह से राजस्थान के साहित्य, मीडिया मंडल व प्रशासनिक अधिकारियों में चिंता गहरा रही है कि ऐसी गतिविधियां लोकतांत्रिक मूल्यों, प्रेस की विश्वसनीयता व सार्वजनिक सूचना व्यवस्था को खोखला कर रही हैं। अब मांग तेज हो रही है कि फर्जी समाचार पत्रों और रिपोर्टरों की पहचान के लिए सख्त जांच शुरू की जाए, राजस्थान सरकार मान्यता-नही तो प्रकाशन पर रोक के नियम लागू करे, फर्जी तत्वों पर कानूनी कार्रवाई, दंड व प्रतिबंध लगाए जाएं, विशेषज्ञों का मानना है कि बिना पहचान पत्र, बिना पंजीकरण और बिना नैतिक पत्रकारिता मानको के काम करने वाले इन "नकली अखबारों" को बख्शा नहीं जाना चाहिए, नहीं तो राजस्थान के सूचना तंत्र और प्रशासनिक ईमानदारी पर बड़ा संकट उभर सकता है।

ड्राइवर एवं हेल्परों की क्षमता-वर्धन कार्यशाला निरंतर आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर द्वारा शहर के सभी जोन में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कार्य में संलग्न ड्राइवर एवं हेल्परों की क्षमता-वर्धन कार्यशालाएँ निरंतर आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज सांगानेर जोन में नगर निगम जयपुर की च्न्र् टीम द्वारा डोर-टू-डोर वाहनों के ड्राइवर एवं हेल्परों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा से संबंधित आवश्यक सुरक्षा मानकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के अंतर्गत ड्राइवर एवं हेल्परों को कार्य के दौरान वाहन के ऊपर न चढ़ने, च्च्म् किट एवं अन्य सुरक्षा उपकरण अनिवार्य रूप से पहनकर रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही, स्वच्छता कार्यों को सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, ड्राइवर एवं हेल्परों को स्वच्छ सर्वेक्षण में पूर्ण रूप से भागीदारी सुनिश्चित करने, नियमित रूप से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण करने तथा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। नगर निगम जयपुर का उद्देश्य इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सफाई कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि करना तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन करना है।

बींझबायला में युवा शक्ति ने दिखाई सेवा की मिसाल

-NSS-NCC छात्राओं ने तारागढ़ दरबार में की सफाई

विनोद सोखल

बींझबायला/श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। आगामी 7 फरवरी 2026 को तारागढ़ दरबार बींझबायला में आयोजित होने वाले हिन्द सम्मेलन, यज्ञ एवं समरसता भोज की तैयारियों के अंतर्गत सरस्वती कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बींझबायला की एनएसएस (NSS) एवं एनसीसी (NCC) की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सेवा कार्य किया। परमजीत कौर एवं प्रमिला विश्नोई के कुशल नेतृत्व में छात्राओं ने तारागढ़ दरबार के प्रांगण एवं गोशाला की व्यापक सफाई अभियान चलाया। छात्राओं ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया, जिससे दरबार परिसर की पवित्रता और अधिक निखर उठी। इस सेवा कार्य से प्रभावित होकर तारागढ़ दरबार के महंत कृष्णनाथ जी महाराज ने छात्राओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और उन्हें हार्दिक शुभाशीष प्रदान किए। साथ ही, बाबा जीतनाथ जी ने छात्राओं का आतिथ्य सत्कार करते हुए उन्हें चाय एवं अल्पाहार प्रदान किया, जिससे पूरा वातावरण भक्ति एवं सेवा भाव से ओतप्रोत हो उठा। यह सेवा कार्य न केवल हिन्द सम्मेलन की तैयारियों में महत्वपूर्ण योगदान रहा, बल्कि युवा पीढ़ी में सामाजिक जिम्मेदारी, समरसता एवं धार्मिक स्थलों के प्रति सम्मान की भावना को भी मजबूत किया। सरस्वती कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ये छात्राएं समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनीं, जिन्होंने दिखाया कि सेवा ही सच्ची भक्ति है।

वीरपुर में करंट से 12 वर्षीय बालक की मौत

-गांव में मचा कोहराम विधायक राजेंद्र मीणा ने परिजनों को बघाया ढांढस

महवा (रॉयल पत्रिका)। हवा विधानसभा क्षेत्र केबालाहेडी थाना इलाके के वीरपुर गांव में करंट लगने से एक बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहित कुमार मीणा (12) पुत्र चेतराम मीणा के रूप में हुई है। पूर्व सरपंच अशोक गगवाना ने बताया कि रोहित मोटर के स्टार बंद करते समय करंट लग गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने उसे तुरंत महुवा जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।इस हादसे से गांव में शोक छा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रोहित की मौत से उसके परिवार में मचा कोहराम मच गया है। वहीं सूचना परविधायक राजेंद्र मीणा ने ग्राम वीरपुर में पहुंचकर मासूम स्वर्गीय रोहित (उम्र 13 वर्ष) के आकस्मिक निधन पर शोक जताते हुए कहा कि यह घटना हृदयविदारक घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने शोक सभा में उपस्थित होकर शोकाकुल परिजनों से भेंट की और इस असहनीय दुःख की घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा किईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें गांव के लोग इस दुखद हादसे पर शोक व्यक्त कर रहे हैं।

आवश्यक नम्बर
रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/ 108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

रकमा की जिला इकाई द्वारा मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया गया

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर/राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) की चुरू जिला ईकाई द्वारा आज माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी के नाम ज्ञापन अतिरिक्त जिला कलक्टर अर्पिता सोनी को सौंपकर मांग की है कि राजस्थान में अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशासनिक कारण बताकर दुरस्थ स्थानों पर पदस्थापित/ स्थानान्तरण किया जा रहा है जो कि अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। इस प्रकार से अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को परेशान ना करें। ज्ञापन देने वालों में रकमा जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज खान पुर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, डॉ. कादिर हुसैन प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रकमा, मोहम्मद रमजान खान पुर्व जिला अध्यक्ष रकमा, अयुब खान वरिष्ठ विधी अधिकारी मेडिकल कॉलेज चुरू

ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के आदेशानुसार समस्त राजस्थान में जिला कलेक्टर एवं तहसील स्तर पर एसडीओ साहब के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर मांग की गई है कि पिछले कुछ दिनों में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में प्रशासनिक कारण बताकर स्थानान्तरण/पदस्थापना की गई है जिस्म अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दुरस्थ स्थानों पर पदस्थापित किया गया है। इस तरह के स्थानांतरण में विधवा, परित्यकता, पुर्व सैनिक,पति-पत्नी की सर्विस, विकंलाग एवं राज्य स्तर पर पुरुस्कृत किये गये कार्मिकों एवं अधिकारियों को भी नहीं बख्शा गया है। जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में निराशा की भावना पैदा हो रही है। रकमा संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि राज्य सरकार को इस तरह से प्रताड़ित कार्मिको से प्रतिवेदना लेकर राजधर्म का पालन करते हुए पुनर्विचार करते हुए इस तरह के स्थानांतरण/ पदस्थापना निरस्त करनी चाहिए या संशोधन करना चाहिए ताकि अल्पसंख्यक समुदाय में निराशा की बजाय आशा जागृत हो।

ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में फिजियोथेरेपी की अनदेखी, एक गंभीर वास्तविकता

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। फिजियोथेरेपी आज आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का एक अनिवार्य हिस्सा है, जो सड़क दुर्घटनाओं, लकवा, जोड़ों की समस्याओं, कमर दर्द और ऑपरेशन के बाद पुनर्वास में अहम भूमिका निभाती है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में फिजियोथेरेपी को आज भी वह सम्मान और महत्व नहीं मिल पा रहा है, जिसकी यह हक़दार है। यह एक विडंबना है कि जिन ग्रामीण इलाकों में शारीरिक श्रम अधिक होता है और चोटों की संभावना भी ज़्यादा रहती है, वहीं फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका को अक्सर कम आँका जाता है। दूसरी ओर, वही मरीज जब शहरी क्षेत्रों में इलाज के लिए जाते हैं, तो उसी फिजियोथेरेपी को महंगे दामों पर सहजता से स्वीकार करते हैं। यह मानसिकता ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

हॉस्पिटल सिस्टम और फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका-

राजस्थान के कई मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, फिजियोथेरेपिस्ट को आज भी केवल सहायक स्टाफ के रूप में देखते हैं। उन्हें न तो स्वतंत्र रूप से उपचार योजना बनाने की भूमिका दी जाती है और न ही उनके ज्ञान, अनुभव और क्लिनिकल निर्णयों को पर्याप्त मान्यता मिलती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण इलाकों में फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। समय पर और सही फिजियोथेरेपी से सर्जरी की आवश्यकता को टाला जा सकता है, दवाओं पर निर्भरता कम होती है और मरीज की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार संभव होता है।

मरीजों पर पड़ता सीधा प्रभाव-

फिजियोथेरेपी की उपेक्षा का सीधा असर ग्रामीण मरीजों के जीवन पर पड़ता है। समय पर उपचार न मिलने के कारण मरीज लंबे समय तक दर्द, अपंगता और मानसिक व आर्थिक बोझ से जूझते रहते हैं। कई मामलों में मामूली समस्याएँ भी गंभीर रूप ले लेती हैं, जिन्हें समय रहते रोका जा सकता था।

जागरूकता और नीति सुधार की आवश्यकता-

ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक है कि समाज में फिजियोथेरेपी को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाए। साथ ही, हॉस्पिटल स्तर पर फिजियोथेरेपिस्ट को सम्मानजनक और निर्णायक भूमिका दी जाए तथा सरकारी स्वास्थ्य नीतियों में रीहैबिलिटेशन सेवाओं को प्राथमिकता मिले। क्योंकि फिजियोथेरेपी केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मरीज को दोबारा आत्मनिर्भर बनाने और सम्मानजनक जीवन जीने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हे।

आशांवित ब्लॉक गंगापुर सिटी में संपूर्णता अभियान 2.0 का भव्य शुभारम्भ

-स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और स्वच्छता में शत-प्रतिशत संतृप्ति का लक्ष्य

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। आशान्वित ब्लॉक गंगापुर सिटी में संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ सोमवार को मधुबन रिसॉर्ट, गंगापुर सिटी में जिला कलक्टर काना राम के आतिथ्य एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि संपूर्णता अभियान 2.0 एक समन्वित, डेटा-आधारित एवं परिणामोन्मुखी पहल है, जिसका उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि संपूर्णता अभियान 1.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण गंगापुर सिटी ब्लॉक को सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ था और उसी क्रम में अब अभियान 2.0 को और अधिक प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है।

छह प्रमुख इंडिकेटरों पर रहेगा विशेष फोकस-

जिला कलक्टर ने बताया कि अभियान 2.0 के अंतर्गत कुल छह प्रमुख इंडिकेटर निर्धारित किए गए हैंकृमहिला एवं बाल विकास विभाग के चार, पशुपालन विभाग का एक तथा शिक्षा विभाग का एक इंडिकेटर। इन सभी संकेतकों पर अप्रैल 2026 तक शत-प्रतिशत सैचुरेशन के लक्ष्य के साथ कार्य किया जाएगा। अभियान का आयोजन 28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा, जिसके तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीबी उन्मूलन, कुपोषण की रोकथाम, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता तथा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष फोकस रहेगा। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित यह अभियान परिणाम-आधारित प्रशासन, समावेशी विकास और सेवा वितरण में गुणवत्ता सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला स्तर पर 5 तथा ब्लॉक स्तर पर 6 नीति संकेतकों को शत-प्रतिशत सैचुरेट करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए विभागीय समन्वय, नियमित फील्ड मॉनिटरिंग, डेटा समीक्षा और सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

28 जनवरी से 14 अप्रैल तक चलेगा अभियान-

मुख्य आयोजना अधिकारी विजेन्द्र जाट ने बताया कि 28 जनवरी से 14 अप्रैल तक चरणबद्ध गतिविधियां की जाएंगी। अभियान की शुरुआत ग्राम सभाओं के आयोजन से की गई है, जिनमें स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं पशुपालन से संबंधित संकेतकों की संतृप्ति हेतु प्रस्ताव पारित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीबी उन्मूलन और स्वच्छता को लेकर शपथ दिलाई जा रही है।

4 फरवरी (विश्व कैंसर दिवस): प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी, एनीमिया एवं मातृ स्वास्थ्य जांच व जागरूकता शिविर। 11 फरवरी (अंतर्राष्ट्रीय महिला एवं बालिका दिवस): विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में किशोरियों के पोषण, स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल पर विशेष सत्र। 28 फरवरी (राष्ट्रीय विज्ञान दिवस)ः आंगनबाड़ी केन्द्रों में सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता व्यवहार एवं बाल वृद्धि निगरानी गतिविधियां। 8 मार्च (अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस)ः विशेष एएनसी पंजीकरण, परामर्श शिविर एवं गोद भराई कार्यक्रम। 16 मार्च (राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस)ः मानव एवं पशु टीकाकरण अभियान। 22 मार्च (विश्व जल दिवस): विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल सुविधाओं का निरीक्षण एवं सुरक्षित जल भंडारण पर जागरूकता।

आकांक्षी ब्लॉक गंगापुर सिटी बना प्रेरक मॉडल-

आशान्वित ब्लॉक प्रभारी यशस्वी अग्रवाल ने बताया कि गंगापुर सिटी ब्लॉक ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। एएनसी खोजो अभियान, स्वस्थ धरोहर शिविरों एवं नवाचारों के परिणामस्वरूप एएनसी पंजीकरण दर 2023 के 60 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 90 प्रतिशत तक पहुँची है। संस्थागत प्रसवों में वृद्धि हुई है तथा कुपोषण एवं एनीमिया के मामलों में कमी दर्ज की गई है।

चूरू के पुस्तकालयों को समृद्ध करेगा धारीवाल परिवार

-सालाना अस्सी हजार तथा कुल चार लाख रुपये की सीधे साहित्यकारों से होगी पुस्तक खरीद

चूरू (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय प्रयास संस्थान की पुस्तक उपहार योजना अंतर्गत राजकीय लोहिया महाविद्यालय में प्रोफेसर रहे नौरत्नचंद धारीवाल की स्मृति में उनके पुत्र सुनील, हेमंत, संजय धारीवाल चूरू अंचल के पुस्तकालयों को समृद्ध करेंगे। प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि धारीवाल परिवार पुस्तकालय समृद्धि एवं साहित्यकारों तक पुस्तकों की लागत पहुंचाने के पुनीत ध्येय से संचालित "प्रयास पुस्तक उपहार योजना" से जुड़ें हैं। इस संबंध में धारीवाल परिवार के हेमंत धारीवाल ने प्रयास संस्थान अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण के साथ प्रतिवर्ष अस्सी हजार एवं पंचवर्षीय चार लाख रुपये की पुस्तकें क्रय का अनुबंध किया है। यह आयोजन प्रतिवर्ष प्रो. धारीवाल के स्मृति दिवस पर सितंबर माह में होगा। आयोजन में पुस्तकों पर संवाद, प्रश्नोतरी, समीक्षा, पत्रवाचन आदि प्रतियोगिताएं भी होंगी और विजेता प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। संस्थान अध्यक्ष एवं राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि "पाठक के हाथ में पुस्तक, लेखक के हाथ में लागत" सोच के साथ संचालित इस योजना में चूरू अंचल एवं राजस्थानी भाषा की प्राथमिकता के साथ क्रमशः विस्तार दिया जाएगा।

गुरु और शिष्य की मेहनत लाई रंग नेशनल लेवल पर जीता रजत पदक नन्हे घुड़सवार का जलवा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के जयपुर में आयोजित हुई नेशनल जेएनईसी घुड़सवारी प्रतियोगिता जिसमें राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, तेलंगाना और दिल्ली सहित अलग-अलग राज्यों से 62 घोडो ने भाग लिया। राजस्थान पुलिस कोच नरपत सिंह दूधवाखारा ने बताया कि आर्मी 61 केवलरी के 7 घोड़े ने भी भाग लिया। 16 वर्षीय खिलाड़ी ने जूनियर नेशनल एंड्योरेंस चैंपियनशिप में जीता रजत पदक हासिल किया। 1 फरवरी, 2026 – सागर इक्वेस्ट्रियन क्लब, जयपुर, राजस्थान में आज आयोजित 40 किलोमीटर जूनियर नेशनल एंड्योरेंस चैंपियनशिप में हर्षवर्धन चौधरी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए दूसरा स्थान (रजत पदक) हासिल किया है।

इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह है कि हर्षवर्धन चौधरी ने मात्र 5 महीने पहले ही रुद्रा घोड़े पर घुड़सवारी का प्रशिक्षण नेशनल घुड़सवार प्रतियोगिता के चैंपियन जयप्रकाश (सूर्या) शुरू किया था। इतने कम समय के अनुभव के बावजूद, कठिन 40 किमी की एंड्योरेंस रेस में अनुभवी घुड़सवारों को पछाड़कर पोडियम पर जगह बनाना उनकी कड़ी मेहनत और जुनून को दर्शाता है। इस सफलता पर उनके परिवार और खेल प्रेमियों ने खुशी व्यक्त की है। इस मौके पर मोहम्मद इस्लाम खान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी,कोच नरपत सिंह दुधवा खारा,अध्यक्ष पारस कवर ने की शुभकामनाएं दी। खेल विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी कम उम्र और सीमित अनुभव के साथ यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय घुड़सवारी के उभरते हुए सितारों की श्रेणी में खड़ा करता है।

भालेरी में जलभराव को लेकर चक्का जाम, एक माह में समाधान का अल्टीमेटम

-राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी एवं शहीद भगत सिंह के नेतृत्व में हुआ जनआंदोलन

चूरू/भालेरी (रॉयल पत्रिका)। भालेरी ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्टेट हाईवे–69 पर लंबे समय से बनी जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश उस समय खुलकर सामने आया, जब राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के नेतृत्व में प्रस्तावित सड़क चक्का जाम की घोषणा की गई। जनदबाव बढ़ता देख प्रशासन को मौके पर पहुँचना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार स्वयं मौके पर पहुँचे, जहां प्रशासन, सड़क निर्माण कंपनी, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं संगठनों के बीच करीब दो दौर की गहन वार्ता हुई। वार्ता के बाद संबंधित सड़क निर्माण कंपनी द्वारा एक माह के भीतर स्थायी समाधान कराने का ठोस आश्वासन दिया गया, जिसके पश्चात आपसी सहमति से चक्का जाम स्थगित किया गया।दो दौर की वार्ता में

बना समझौता समझौता वार्ता में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी से दिनेश जी बंबू, शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच से संयोजक राजेश चौधरी,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अंकुश चौधरी, संगठन से जुड़े रोहतास, श्यामपुर, किशोर, प्रशासन की ओर से तहसीलदार बजरंग सिंह/हनुमान सिंह सड़क निर्माण कंपनी से प्रतिनिधि एम.एल. वर्मा, ग्राम पंचायत से सरपंच राजेश कसवा,सामाजिक कार्यकर्ता जावेद, सफीक खान, भाटी जी, सलीम जावेद, असलम भाटी, आसिफ खोखर, शोएब अलीम,फारूक होकर, अकरम साबिर, सीआरबी आरीफ,बालम अशरफ ,साबिर खलील,सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।वहीं मौके पर मौजूद तहसीलदार ने सड़क निर्माण कंपनी को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान करना कंपनी की नैतिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वार्ड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

-उद्घाटन मैच वार्ड नंबर 17 B व वार्ड नंबर 15 के बीच खेला गया

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। फुटबाल क्लब वार्ड नंबर 19 के तत्वावधान में आयोजित की जाने वाले तीन दिवसीय वार्ड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को बावड़ी ग्राउंड बारां रोड़ पर करीब 12 बजे हुआ। आयोजन समिति के प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास व मोहम्मद इरफान ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि डॉ शकील अहमद वरिष्ट चिकित्सा अधिकारी रहे। अध्यक्षता नदीम अख्तर प्रदेश सचिव सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया राजस्थान, विशिष्ट अतिथि में बाबूलाल ए एस आई पुलिस थाना मांगरोल, हाजी जलील अहमद नगर अध्यक्ष वेलफेयर पार्टी मांगरोल, अशरफ अली अध्यक्ष पंचायत अंसारियान मांगरोल, उस्ताद मोहम्मद हनीफ अध्यक्ष अली अखाड़ा समिति मांगरोल, उस्ताद शब्बीर अहमद कलंदरी अखाड़ा मांगरोल, मास्टर मोहम्मद इकबाल सचिव मुस्लिम कर्मचारी संघ मांगरोल, जावेद अख्तर लखानी, हरिशंकर चौधरी पुलिस थाना मांगरोल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. शकील अहमद वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेल में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखना चाहिए। खेल से शारीरिक के साथ मानसिक विकास भी होता हैं युवा खिलाड़ी निरंतर राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे है। नित्य खेलने से शरीर स्वस्थ और मस्त रहता हैं और काया निरोगी रहती है। अध्यक्षता कर रहे नदीम अख्तर प्रदेश सचिव सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया राजस्थान ने कहा कि खेल को दैनिक जीवन में शामिल करना चाहिए। अतिथियों ने वार्ड नंबर 17 B व वार्ड नंबर 15 की टीम के सदस्यों का परिचय लिया। आजाद क्लब के अध्यक्ष जावेद अख्तर अण्डे वाले ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच दोपहर 12 बजे वार्ड नंबर 17 B व वार्ड नंबर 15 के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को खूब रोमांचित किया। वार्ड नंबर 15 की टीम ने तीन गोल कर वार्ड नंबर 17 B की टीम को 3-0 से हराकर आगे अपनी जगह पक्की की। इसके बाद दूसरा मैच वार्ड नंबर 7 B व वार्ड नंबर 14 के बीच खेला गया। जिसमें वार्ड नंबर 14 ने 1 गोल जीत दर्ज की। इसके बाद तीसरा मैच वार्ड नंबर 31 B व वार्ड नंबर 11 के बीच खेला गया। जिसमें वार्ड नंबर 11 ने 2 गोल से विजय हासिल की। इसके बाद चौथा मैच वार्ड नंबर 12 B व वार्ड नंबर 18 के बीच खेला गया। जिसमें वार्ड नंबर 12 B 3 गोल से विजय प्राप्त कर आगे जगह बनाई है।इस दौरान मंच संचालन मास्टर शराफत हुसैन शारीरिक शिक्षक ने किया। कार्यक्रम में फुटबॉल क्लब वार्ड नंबर 19 की आयोजन समिति ने आए हुए अतिथियों का माला साफा व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। दूसरे दिन का पहला मैच सुबह 9 बजे वार्ड नंबर 19 A व वार्ड नंबर 16 के बीच खेला जाएगा।

विकसित भारत की सशक्त आधारशिला वाला बजट- जसकरण सिंह सरा

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। 1 फरवरी 2026 विकसित भारत के सपने को सरकार बनाने वाला मजबूत बजट निर्मला सीतारमण की प्रस्तुत किया है। श्रीगंगानगर संगठन मंत्री जसकरण सिंह सरा ने कहा कि इस बजट में सभी वर्गों को जोड़ा गया है शिक्षा पर ध्यान फोकस करते हुए महिला शिक्षा को बढ़ावा देते हुए भारत के प्रत्येक जिले में छात्रावास खोलना एक अभूतपूर्व घोषणा है इसके साथ-साथ ही राजस्थान प्रदेश में अक्षय ऊर्जा का विकास, बैटरी के उत्पादों को सस्ता करना,गृह कार्यों में उपयोग की वस्तुओ को सस्ता करना इत्यादि महत्वपूर्ण सौगातो देने हेतु बजट का स्वागत करता हूं।विकसित भारत के विजन को साकार करने वाला यह बजट अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा का किया स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। हाल ही में कांग्रेस जिलाध्यक्षों की जारी सूची में बारां जिलाध्यक्ष पद पर जिले के उद्पुरिया निवासी गुरुजी के नाम के प्रसिद्ध हंसराज मीणा को बारां जिला कांग्रेस की कमान सौंपी गई है। उनके जिलाध्यक्ष बनने पर कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा स्वागत सत्कार का सिलसिला जारी है। जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी के निजी आवास पर जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा का भव्य स्वागत किया गया। उपस्थित लोगों द्वारा माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अशरफ देशवाली, पूर्व जिला अध्यक्ष शाहिद कुंडी, वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, नासिर मिर्ज़ा, डॉ. इजहार खान सीमा, वरिष्ठ नेता रफीक भाई बाड़ी वाले, पार्षद अख्तर बख्तावर, बिट् भाई नमक वाले, रईस फैजी, कलाम स्टोन, नियाज़ मोहम्मद सलाम पठान, आशु मंसूरी, मारूफ लाला, अहसान भाई सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अधिकारी तय समयसीमा में पारदर्शिता के साथ पूरे करें आमजन के कार्य- जिला कलक्टर

-कोताही बरतने पर अधिकारी और ठेकेदारों के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने सभी विभागों के अधिकारियों को बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था बनाए जाने के लिए संवेदनशीलता और तत्परता के साथ काम करने के दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर मंगलवार को मिनी सचिवालय सभागार में मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। जिला कलक्टर ने बैठक में जिले की महत्वकांक्षी योजनाओं, पंच गौरव, समन्वय संगम एप, सम्पर्क पोर्टल और सीएमओ पोर्टल पर लंबित परिवादों के विषय में गंभीर मंथन किया। जिला कलक्टर ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को पिछली बजट घोषणा में लंबित सड़क निर्माण के कार्यों में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने पर संबंधित ठेकेदार अमित कंस्ट्रक्शन कम्पनी कोटा को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में समयसीमा एवं गुणवत्ता के लिए संबंधित ठेकेदारों को भी जिम्मेदार मानते हुए अधिकारियों के साथ उन पर भी अब सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने शेरगढ़ के किले के सौन्दर्यकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्यों को शीघ्र ही पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने पंच गौरव चिरौंजी, उपज लहसुन, लहसुन उत्पाद, रामगढ़ क्रेटर स्थल एवं फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए इनके व्यापक प्रचार-प्रसार की योजना बनाने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया। जिला कलक्टर ने सम्पर्क पोर्टल पर 100 दिवस से अधिक के लंबित परिवादों पर नाराजगी जाहीर करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सीएमओ पोर्टल पर लंबित परिवाद एवं समन्वय संगम एप पर उपलब्ध पत्राचार को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी बजट घोषणा के कार्य एवं फ्लैगशिप स्कीम से संबंधित विभागीय कार्यों को गुणवत्ता व संवेदनशीलता के साथ पूर्ण करें। जिला कलक्टर ने ई फाइलिंग एवं उच्च स्तर से प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का शीघ्र, पारदर्शी व संतोषजनक समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर एडीएम भंवरलाल जनागल, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आठ उच्च जलाशय निर्माण के लिए भूमि आवंटित

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खंड बारां के अधिशासी अभियंता द्वारा जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत उच्च जलाशय निर्माण के लिए भूमि आवंटन की मांग पर ग्राम मोतीपुरा खुर्द, बामनखोह, देहलनपुर, देवरीभान, नयापुरा, बावड़ीखेड़ा, नारेड़ा तहसील छीपाबड़ौद सहित किशनगंज में 0.09-0.09 हेक्टेयर भूमि निशुल्क आवंटन के आदेश दिए हैं तथा इस प्रयोजनार्थ किशनगंज चारागाह की क्षतिपूर्ति के लिए किशनगंज में स्थित खसरा नंबर 101 रकवा 2.13 हेक्टेयर में से 0.09 हेक्टेयर भूमि किस्म गैर मुमकीन बेहड भूमि एवं देवरीभान चारागाह की क्षतिपूर्ति के लिए ग्राम देवरीभान में स्थित खसरा नंबर 8 रकबा 0.7122 हेक्टेयर में से 0.09 हेक्टेयर भूमि किस्म गैर मुमकीन पहाड़ भूमि को चारागाह दर्ज करने की स्वीकृति प्रदान की है।

आईपीओ को मिला 166 गुना सब्सक्रिप्शन, जीएमपी पहुंचा 26 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसेफ इक्विपमेंट्स आईपीओ पर निवेशकों ने जमकर दांव

लगाया है। कंपनी के आईपीओ को 166.72 गुना सब्सक्राइब किया गया है। इस एसएमई आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट भी अच्छे लिस्टिंग के संकेत दे रहा है। एमसेफ इक्विपमेंट्स आईपीओ को रिटेल कैटगरी में 133.16 गुना, क्यूआईबी में 117.97 गुना और एनआईआई में 308.23 गुना सब्सक्राइब किया गया था। इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज 26 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जो शेयर बाजार में कंपनी की 149 रुपये पर लिस्टिंग के संकेत दे रहा है। अगर इस स्तर पर लिस्टिंग हुई तो निवेशकों को 21 प्रतिशत का फायदा होगा। बता दें, एमसेफ इक्विपमेंट्स आईपीओ का जीएमपी सबसे अधिक 26 रुपये और सबसे कम जीएमपी 7 रुपये प्रति शेयर है। एमसेफ इक्विपमेंट्स आईपीओ का प्राइस बैंड 116 रुपये से 123 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया था। रिटेल निवेशकों को कम से कम दो लॉट दांव लगाना था। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 246000 रुपये का इंवेस्टमेंट करना पड़ा था। इस मेनबोर्ड आईपीओ का साइज 66.42 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 44 लाख फ्रेश शेयर और 10 लाख शेयर ऑफर फार सेल के जरिए जारी कर रही है। बता दें, इस आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई एसएमई में प्रस्तावित है। आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 जनवरी को खुला था। एंकर निवेशकों से कंपनी ने 18.76 करोड़ रुपये जुटाए हैं। आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 28 जनवरी से 30 जनवरी तक खुला हुआ था। आईपीओ से जुटाए पैसों का उपयोग कंपनी कंपनी नए मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के सेटअप के लिए भी करेगी। इसके अलावा इक्विपमेंट्स के किराए के लिए कंपनी 6 करोड़ रुपये का भुगतान आईपीओ से जुटाए पैसों से करेगी।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लि. ने जनवरी 2026 में कुल 71,066 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

मुंबई। जनवरी 2026 के दौरान घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड की कुल बिक्री 71,066 यूनिट्स रही, जबकि जनवरी 2025 में यह आंकड़ा 48,316 यूनिट्स था। इसमें टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड की सहायक कंपनी, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की बिक्री शामिल है।

एसटीटी की वजह से शेयर बाजार में मचा है हाहाकार

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट 2026 में एसटीटी में बढ़ोतरी के ऐलान का असर शेयर बाजारों पर साफ देखने का मिला रहा है। सेंसेक्स और निफ्टी का बुरा हाल है। हर तरफ भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। सेंसेक्स आज दिन में 2300 से अधिक अंक टूट तक गया था। जब भी कोई निवेशक शेयरों को शेयरों को, म्यूचुअल फंड्स की कोई या डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स को बेचता और खरीदता है तो उससे एक छोटा सा चार्ज हर एक ट्रांजैक्शन पर देना होता है। इसे ही एसटीटी कहते हैं। इसका मकसद कैपिटल गेन्स पर टैक्स चोरी को रोकना है। बता दें, एसटीटी की शुरुआत 2004 में हुई थी। इस बार के बजट में एसटीटी को लेकर क्या ऐलान हुआ है? केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स को बढ़ा दिया है।

एमसीएक्स पर सोना-चांदी में तीसरे सत्र भी भारी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी।
कीमती धातुओं में जारी तेज बिकवाली का असर अब निवेशकों के पोर्टफोलियो पर साफ दिखने लगा है। एमसीएक्स पर सोना और चांदी में लगातार तीसरे सत्र भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसके चलते गोल्ड ईटीएफ 15-6 प्रतिशत तक टूट गए।

1 फरवरी को बाजार खुलते ही एमसीएक्स पर सोना और चांदी के फ्यूचर्स करीब 6 प्रतिशत तक गिर गए। अप्रैल एक्सपायरी वाला सोना एक ही सत्र में 9,140 प्रति 10 ग्राम गिरकर 1,43,205 प्रति 10 ग्राम पर खुला। उल्लेखनीय है कि सिर्फ तीन कारोबारी सत्रों में सोना करीब 50,000 प्रति 10 ग्राम (लगभग 26 प्रतिशत) टूट चुका है। इससे पहले सोना 1,93,096 प्रति 10 ग्राम के लाइफटाइम हाई पर पहुंचा था।

गिरावट की वजहें त्न गिरावट की दो प्रमुख वजहें बताई जा रही हैं। पहली, अमेरिकी डॉलर की अचानक मजबूती और दूसरी हाई-लेवरेज पोजिशन में बैठे ट्रेडर्स की जबरन बिकवाली। डॉलर में मजबूती फेड चेयर के तौर पर केविन वॉर्श के नामांकन की खबर के बाद आई, जिससे ग्लोबल मार्केट में रिस्क-ऑफ माहौल बन गया और कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ गया।

चांदी में हालात और खराब: चांदी में गिरावट और भी ज्यादा तीखी रही। मार्च एक्सपायरी वाली चांदी 17,515 प्रति किलो टूटकर 2,74,410 प्रति किलो पर खुली। तीन सत्रों में चांदी करीब 1,45,638 प्रति किलो (लगभग 35 प्रतिशत) टूट चुकी है। इससे पहले चांदी 4,20,048 प्रति किलो के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी। सबसे ज्यादा चर्चा में रहा निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट का सिल्वर इटीएफडी। निप्पॉन एएमसी सिल्वर बीस शुक्रवार को

18.6 प्रतिशत टूटकर 286.48 पर बंद हुआ। इसके बाद बाजार में यह चिंता उभरने लगी कि अगर गिरावट जारी रही, तो ईटीएफ में ट्रेडिंग रुक सकती है।

सर्किट लिमिट का नियम: कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ईटीएफ पर सर्किट लिमिट लागू होती है। यह लिमिट ञ्च-2 नेट एसेट वैल्यू से 20 प्रतिशत की होती है। यदि कीमतें इस सीमा से नीचे जाती हैं, तो उस ईटीएफ में ट्रेडिंग अपने आप रोक दी जाती है। यह नियम किसी एक फंड तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे ईटीएफ सेक्टर पर लागू होता है।

निवेशकों के लिए चेतावनी: बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के दिनों में सोना और चांदी में जो तेज उछाल देखा गया था, वह काफी हद तक सट्टेबाजी और मजबूत सेंटिमेंट के सहारे था। जैसे ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ा और मुनाफावसूली शुरू हुई जोरदार बिकवाली देखने को मिली। इस गिरावट में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और ज़ेरोधा से जुड़े ईटीएफ भी प्रभावित हुए हैं।

रिटेल निवेशकों के लिए यह एक साफ संकेत है कि गोल्ड ईटीएफ को पूरी तरह सुरक्षित निवेश मानकर शॉर्ट टर्म में पैसा लगाना अब जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव बेहद तेज हो चुका है।

बुलेट ट्रेन की रफ्तार से भाग रहे हैं आरवीएनएल सहित 4 रेलवे स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे सेक्टर की कंपनियों ने रफ्तार पकड़ी ली है। रेल विकास निगम लिमिटेड सहित दिग्गज रेलवे सेक्टर कंपनियों के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। इस तेजी के पीछे की वजह बजट 2026 से जुड़ी संभावनाएं हैं। नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार का फोकस रेलवे सेक्टर की तरफ खूब बढ़ा है। जिसकी वजह से इस बार के बजट में भी कुछ बड़ा ऐलान संभव है।

1- **रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में तेजी:** आरवीएनएल का शेयर आज 1 फरवरी को 344 रुपये के लेवल पर खुला था। दो प्रतिशत की तेजी के बाद रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों का भाव 351.55 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। हफ्ते में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 7 प्रतिशत की तेजी आई है।

2- **जूपिटर वैगन्स लिमिटेड के शेयरों में 5 प्रतिशत की उछाल:** बीएसई में आज कंपनी के शेयर 327.55 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 341.10 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते में इस रेलवे स्टॉक की कीमतों में 10 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

3- **इरकॉन इंटरेशनल के शेयरों का भी भाव बढ़ा:** बीएसई में यह रेलवे स्टॉकक 166.95 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 168.55 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। एक हफ्ते में यह रेलवे स्टॉक भी करीब 10 प्रतिशत चढ़ा है।

4- **टीटागढ़ रेल सिस्टम के शेयरों में भी तेजी:** यह रेलवे स्टॉक 827 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 3 प्रतिशत की तेजी बाद 842.95 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। एक हफ्ते में यह रेलवे स्टॉक 6 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है।

टैक्सपेयर्स के लिए बड़ी खुशखबरी, इनकम टैक्स के मोर्चे पर वित्त मंत्री ने दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज संसद में केंद्रीय बजट 2026

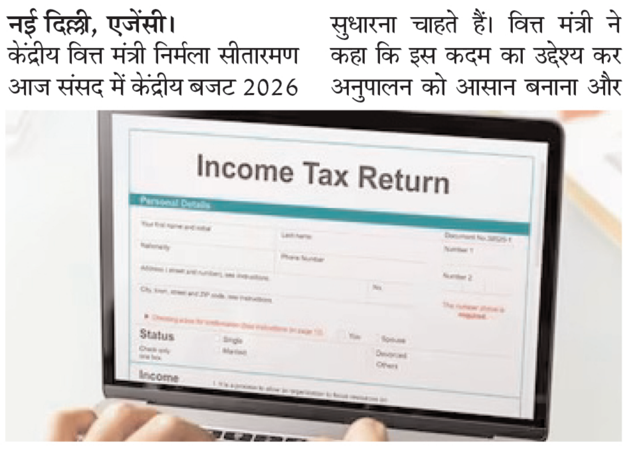

पेश कर रही हैं। इसके साथ ही वह लगातार नौवां बजट पेश करने वाली देश की पहली वित्त मंत्री बन गई हैं, जिससे उन्होंने इतिहास रच दिया है। बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री ने देश के लिए कई अहम सुधारों और नीतिगत पहलों पर प्रकाश डाला।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान करदाताओं को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की कि अब 31 मार्च तक नाममात्र शुल्क पर संशोधित आयकर रिटर्न दाखिल किया जा सकेगा। इस फैसले से उन करदाताओं को फायदा मिलेगा जो रिटर्न दाखिल करते समय हुई किसी गलती को सुधारना चाहते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य कर अनुपालन को आसान बनाना और करदाताओं पर अनावश्यक दंड का बोझ कम करना है। सरकार को उम्मीद है कि इस सुविधा से अधिक लोग स्वेच्छा से सही जानकारी के साथ आयकर रिटर्न दाखिल करेंगे। वित्त मंत्री ने लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत शिक्षा और मेडिकल शिक्षा के लिए भेजी जाने वाली राशि पर टीसीएस दर को 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करने की घोषणा की। इससे विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों और उनके परिवारों को सीधी राहत मिलेगी। इसके अलावा, विदेशी टूर पैकेज की बिक्री पर लगने वाला टीसीएस भी 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया गया है।

लखपति दीदी अब बनेंगी बिजनेस वाली दीदी, महिलाओं के लिए खुलेंगे सेल्फ-हेल्प एंटरप्रेन्योर मार्ट्स

नई दिल्ली, एजेंसी।
लखपति दीदी योजना की शानदार सफलता के बाद अब केंद्र सरकार ने महिलाओं को छोटे रोजगार से निकालकर बड़ा बिज़नेसमैन बनाने का मास्टरप्लान तैयार किया है। केंद्रीय बजट 2026 के तहत वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि अब स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को उद्यमिता की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। इसके लिए सरकार न केवल आर्थिक मदद देगी बल्कि उनके उत्पादों को बेचने के लिए खास बाजार भी मुहैया कराएगी।

सरकार का सबसे क्रांतिकारी कदम सेल्फ-हेल्प एंटरप्रेन्योर मार्ट्स (की स्थापना करना है। सामुदायिक आउटलेट्स: ये क्लस्टर-स्तरीय फेडरेशन के तहत संचालित होने वाले आधुनिक रिटेल स्टोर होंगे। सीधी बिक्री: यहां महिलाएं अपने द्वारा बनाए गए उत्पादों (जैसे अचार, पापड़, हस्तशिल्प, कपड़े आदि) को सीधे ग्राहकों को बेच सकेंगी। इससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी और मुनाफा सीधे महिलाओं की जेब में जाएगा।

नवाचारी वित्तपोषण: महिलाओं को अपना बिजनेस शुरू करने या बढ़ाने के लिए आसान शर्तों पर लोन और नई वित्तीय सुविधाएं दी जाएंगी।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सिर्फ कामकाजी बनाना नहीं बल्कि उन्हें बिजनेस लीडर बनाना है: क्रेडिट-लिंक्ड सपोर्ट: महिलाओं को बैंकों से जोड़कर उन्हें जरूरी पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी।

अगला कदम उद्यमिता: जो महिलाएं अब तक केवल आजीविका चला रही थीं उन्हें अब अपना ब्रांड बनाने और उसे बाजार में स्थापित करने के लिए ट्रेनिंग और संसाधन दिए जाएंगे।

तकनीकी मदद: इन मार्ट्स को डिजिटल तकनीक से भी जोड़ा जा सकता है ताकि महिलाएं ऑनलाइन ऑर्डर भी ले सकें।

क्यों महत्वपूर्ण है यह पहल

आत्मनिर्भरता: इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं के बीच आर्थिक असमानता कम होगी।

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा: लोकल फॉर वोकल अभियान को मजबूती मिलेगी और क्षेत्रीय कारीगरी को बड़ा मंच मिलेगा।

सशक्तीकरण: जब महिलाएं खुद का बिजनेस चलाएंगी तो समाज में उनकी निर्णय लेने की क्षमता और सम्मान बढ़ेगा।

नए तरीके से महंगाई मांपेगी मोदी सरकार, नेटफ्लिस जैसे ओटीटी खर्च में लिस्ट में होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में महंगाई मापने का तरीका अब बदलने जा रहा है। सरकार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को नए आधार वर्ष के साथ पेश करने की तैयारी में है। अब तक महंगाई की गणना 2012 को आधार मानकर की जाती थी, लेकिन बीते एक दशक में लोगों की जीवनशैली, खर्च करने के तरीके और जरूरतें इतनी बदल चुकी हैं कि पुराना पैमाना हकीकत को ठीक से नहीं दिखा पा रहा था। इसी वजह से सरकार ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष 2024 करने का फैसला लिया है। नया उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 12 फरवरी 2026 से लागू होगा और उसी दिन जनवरी 2026 की खुदरा महंगाई के आंकड़े नए ढांचे के तहत जारी किए जाएंगे। इंडेक्स में शामिल वस्तुओं और सेवाओं की संख्या भी बढ़ेगी। अभी जहां करीब 299 सामान हैं, वहीं नए ढांचे में इनकी संख्या बढ़कर 358 हो जाएगी। इससे महंगाई की गणना ज्यादा विस्तृत और वास्तविक खर्च के करीब दिखाई देने की संभावना है। सरकार और एक्सपर्ट्स का मानना है कि नया उपभोक्ता मूल्य सूचकांक न सिर्फ आम आदमी की बदलती जरूरतों को बेहतर तरीके से दर्शाएगा, बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक को मौद्रिक नीति तय करने में भी ज्यादा सटीक संकेत देगा। ब्याज दरों से जुड़े फैसले अब ज्यादा मजबूत आंकड़ों के आधार पर लिए जा सकेंगे। नया सूचकांक बदलती अर्थव्यवस्था की झलक दिखाने वाला कदम माना जा रहा है। ई-कॉमर्स से आंकड़े लिए जाएंगे डेटा जुटाने के तरीके में भी बदलाव किया जा रहा है। अब ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से भी कीमतें जुटाई जाएंगी।

सड़क-रेल-मेट्रो के लिए रिकॉर्ड फंडिंग का ऐलान, 12.20 लाख करोड़ हुआ कैपेक्स

पिछले 10 सालों में कितना बढ़ा सरकारी खर्च, नए फाइनेंसिंग मॉडल भी बनेंगे सहारा

नई दिल्ली, एजेंसी।
सरकार ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि देश की ग्रोथ की रफ्तार इंफ्रास्ट्रक्चर के दम पर ही तेज की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ कर दिया गया है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

कैपेक्स यानी सरकार द्वारा किया जाने वाला वह खर्च, जो सड़क, रेलवे, मेट्रो, एयरपोर्ट, हाउसिंग और इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी लंबे समय की विकास परियोजनाओं पर होता है। इसका मतलब है कि जितना ज्यादा कैपेक्स होगा, उतना ज्यादा रोजगार, निवेश और आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी। वित्त मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में पब्लिक कैपिटल एक्सपेंडिचर में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। 2014-15 में यह 2 लाख करोड़ था, जो 2025-26 :

में बढ़कर 11.2 लाख करोड़ हुआ और 2026-27 (प्रस्तावित) में इसको बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ तक कर दिया गया है, यानी 10 साल में सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च कई गुना बढ़ चुका है। सरकार का खास जोर उन शहरों पर रहेगा जिनकी आबादी 5 लाख से ज्यादा है। ये शहर अब सिर्फ छोटे कस्बे नहीं, बल्कि नए ग्रोथ सेंटर्स बन चुके हैं। सरकार का लक्ष्य है कि ञ्चद्वद्दह्-2 और ञ्चद्वद्दह्-3 शहरों में बेहतर सड़कें हों। इसके साथ ही मजबूत पब्लिक ट्रांसपोर्ट, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट हो। वित्त मंत्री ने बताया कि सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट (इन्विट), रियल एस्टेट इंवेस्टमेंट ट्रस्ट जैसे नए फाइनेंसिंग टूल्स को भी बढ़ावा दिया है।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर के सफल तीन साल

पेश की मरीज़-केंद्रित उन्नत देखभाल की मिसाल

इंदौर। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर ने आज अपनी सेवा के तीन साल पूरे किए। इन तीन सालों में इस अस्पताल ने नैतिक और मरीज़-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपनी अग्रणी पहचान को और मजबूत किया है। अपने फुल-टाइम स्पेशलिस्ट सिस्टम के साथ, इस अस्पताल ने अलग-अलग विशेषज्ञताओं में अपनी मल्टी-डिसिप्लिनरी विशेषज्ञता के ज़रिए व्यापक देखभाल के लिए एक मज़बूत भरोसा कायम किया है।

पिछले तीन सालों में, अस्पताल ने अपनी सुविधाओं को और बेहतर बनाया है। यहाँ मिनिमली इन्वेसिव सीएबीजी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट और किडनी ट्रांसप्लांट जैसी आधुनिक इलाज की तकनीकें शुरू की गई हैं, जिन्हें लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और भरोसा मिला है। जल्द ही अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट की सुविधा भी शुरू होने वाली है। यह अस्पताल मध्य प्रदेश का पहला ऐसा अस्पताल है, जहाँ प्रोस्टेट के इलाज के लिए यूरो-लिफ्ट टेक्नोलॉजी,

हर्निया की सर्जरी के लिए ई-टीईपी टेक्निक और डबल बलून एन्टेरोस्कोपी जैसी उन्नत और हाई-एंड प्रक्रियाएँ उपलब्ध हैं। साथ ही, यह मध्य प्रदेश का पहला कॉर्पोरेट अस्पताल है जिसने एन्डोब्रोन्कियल अल्ट्रासाउंड की सुविधा शुरू की है।

मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों में रहने वाले मरीजों तक उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर ने कई शहरों में अपनी ओपीडी सेवाएँ शुरू की हैं। इनमें देवास, उज्जैन, धार, खंडवा, महू, गुना, मंदसौर, रतलाम, ग्वालियर, सोनकच्छ और झांसी जैसे शहर शामिल हैं।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर ने कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, न्यूरोसाइंसेस, ऑर्थोपेडिक्स, रीनल साइंसेस और ट्रांसप्लांट के अपने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को और अधिक मज़बूत और विस्तृत किया है। अस्पताल ने मध्य प्रदेश और पड़ोसी राज्यों के मरीज़ों के जटिल और उच्च जोखिम वाले मामलों का सफलतापूर्वक इलाज किया है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर ने अब तक 1,00,000 से अधिक लोगों के जीवन को छुआ है। अस्पताल ने कई सामुदायिक आउटरीच ओपीडी कार्यक्रमों और मेडिकल कैंपों का आयोजन किया है, जिनका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और इनके जरिए दूर-दराज़ के पिछड़े इलाकों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई गई हैं। पिछले तीन वर्षों में, इन अभियानों की मदद से 55,000 से अधिक मरीज़ों तक पहुँच बनाई गई है। वे शहर के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के लिए सीएमइ (मेडिकल शिक्षा) प्रोग्राम भी चलाते हैं, ताकि वे नई तकनीकों से जुड़े रहें।

इस उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर और ग्रुप सीईओ डॉ. संतोष शेट्टी ने कहा- अस्पताल के तीन साल पूरे होना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह हमें मरीज़ों की और अच्छी देखभाल करने और इलाज में नए रिकॉर्ड बनाने की प्रेरणा देता है।

बिरला कॉर्पोरेशन का दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 71 प्रतिशत बढ़ा

बाजार के मुश्किल हालात के बावजूद एबिटिडा 18 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दिसंबर तिमाही में 53 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल इसी समय के मुकाबले 71 प्रतिशत ज्यादा है, जबकि कंसोलिडेटेड एबिटिडा 18 प्रतिशत बढ़कर 312 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी संचालन लागत को सही करने और प्रोडक्ट और जियो-मिक्स को बेहतर बनाने के साथ-साथ अपने प्लांट्स में कैपेसिटी यूटिलाइजेशन को बेहतर बनाने के लिए और कई कदम उठा रही है।

सीमेंट डिवीजन का एबिटिडा मार्जिन इस तिमाही में 14.8 प्रतिशत था, जबकि पिछले साल इसी समय में यह 11.9 प्रतिशत था। सीमेंट प्रोडक्शन की कुल लागत पिछले साल के मुकाबले 4 प्रतिशत कम थी।

बीती तिमाही के लिए कंसोलिडेटेड आय साल-दर-साल 4 प्रतिशत घटकर 2,178 करोड़ रुपए रहा, क्योंकि वॉल्यूम के हिसाब से सीमेंट की बिक्री 6 प्रतिशत घटकर 4.23 मिलियन टन (एमटी) रह गई, और बाजारों में कीमतों में अनुमानित 4-6 प्रतिशत की गिरावट आई। अक्टूबर और नवंबर में मांग कम थी, लेकिन दिसंबर में बी2बी सेगमेंट की वजह से इसमें अच्छी रिकवरी हुई, जिससे तिमाही में साल-दर-साल 7-8 प्रतिशत की अनुमानित कुल बढ़ोतरी हुई। बी2बी, या नॉन-ट्रेड सेगमेंट में कीमतें नरम रहने के साथ, कंपनी ने बी2बी मार्केट में ब्लेंडेड और प्रीमियम सीमेंट की बिक्री पर ध्यान देने की अपनी भरोसेमंद स्ट्रैटेजी को मजबूती से आगे बढ़ाया और अच्छे परिणाम भी प्राप्त किए।

दिसंबर तिमाही में ब्लेंडेड सीमेंट की बिक्री कुल बिक्री का 87 प्रतिशत हो गई,

शुरू हुई रश्मिका और विजय देवरकोंडा की शादी की तैयारी

मुंबई। काफी समय से साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी को लेकर खबर चल रही है। ऐसी चर्चा थी कि फरवरी महीने में दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर उदयपुर से एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया है कि यहां पर रश्मिका और विजय देवरकोंडा की शादी होने वाली है। यह शादी 2 फरवरी को होगी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जो उदयपुर के सिटी प्लेस का है। इस वीडियो में दो लड़कियां बताती हैं कि यहां पर रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की कल शादी होने वाली है।

लाइफ Style

नीलम

गोविंदा के साथ रोमांस की अफवाहों पर रखी राय

अभिनेता गोविंदा कई वजहों से अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। अब वह अभिनेत्री नीलम के बयान के बाद चर्चा में आ गए हैं। 1980 और 1990 के दशक में गोविंदा ने नीलम कोठारी के साथ कई फिल्मों में काम किया।

एजेंसी ⏭ मुंबई

दोनों ने अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता। अक्सर उनके रोमांस की अफवाहें उड़ीं। गोविंदा ने यह माना कि वह नीलम की तरफ आकर्षित थे। उन्होंने उनसे शादी करने के बारे में सोचा था। हालांकि, नीलम ने अब इस तरह की बातों को पूरी तरह से खारिज किया है। उषा काकडे प्रोडक्शन के साथ बातचीत में नीलम कोठारी से गोविंदा के साथ रोमांस के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा 'यह किसने कहा? गोविंदा जी बहुत ही अच्छे इंसान हैं, मगर यह जो सवाल है, यह सच नहीं है। हमने कई हिट फिल्में की हैं। हमारे बीच कुछ नहीं था।' एक्ट्रेस ने 90 के दशक में अपनी केमिस्ट्री को लेकर मीडिया में मचे बवाल के बारे में कहा, 'मुझे लगता है कि उस वक्त लिंक-अप्स पर कोई सफाई देने वाला नहीं था। उन्हें जो मन करता था, वे छाप देते थे। मुझे लगता है कि उन दिनों हम प्रेस से डरते थे। अगर आप किसी के साथ लगातार 2-3 से ज्यादा फिल्में करते थे, तो यह मान लिया जाता था कि... आप दोनों साथ हैं।' 1980 और 1990 के दशक की शुरुआत में, गोविंदा और नीलम कोठारी ने लगभग एक दर्जन फिल्मों में काम किया। इसमें 'इल्जाम', 'खुदगर्ज', सिंदूर, फर्ज की जंग, बिल्लू बादशाह, ताकतवर और घराना जैसी फिल्में शामिल हैं।

हॉलीवुड मसाला

रैपर पर टूटा दुखों का पहाड़

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के लोकप्रिय रैपर-सिंगर और एक्टर स्नूप डॉग की पोती का निधन हो गया है। स्नूप की महज दस महीने की पोती कोडी ड्रेक्स का निधन 26 जनवरी को हुआ। बेबी कोडी अस्पताल में भर्ती थी। घर लौटने के कुछ ही हफ्ते बाद बच्ची का निधन हो गया। बता दें कि कोडी, स्नूप डॉग की बेटी कोरी ब्रॉडस की बिटिया थीं। कोरी ब्रॉडस, स्नैप डॉग की सबसे छोटी संतान हैं और वे इकलौती बेटी हैं। कोरी की दस महीने की बेटी कोडी ड्रेक्स के निधन से परिवार शोक में डूबा है।

कैथरीन को याद किया एक्टर मैकाले ने ...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की चर्चित फिल्म 'होम अलोन' की एक्ट्रेस कैथरीन ओहारा ने निधन से हॉलीवुड में दुख की लहर है। उनके साथ अभिनय करने वाले कलाकार भी गमगीन हैं। 'होम अलोन' में चाइल्ड आर्टिस्ट के रोल में दिखे मैकाले कल्किन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कैथरीन को याद किया है। फिल्म 'होम अलोन' में साल 1990 में रिलीज हुई थी। उस वक्त मैकाले कल्किन एक चाइल्ड आर्टिस्ट थे। अब वह 45 साल के हो चुके हैं। फिल्म 'होम अलोन' में उनके किरदार केविन की मां का रोल कैथरीन ने निभाया था। मैकाले, कैथरीन के काफी करीब थे। एक्ट्रेस के निधन की खबर सुनकर वह काफी दुखी हैं। शनिवार को मैकाले कल्किन ने एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए कैथरीन को याद किया है।

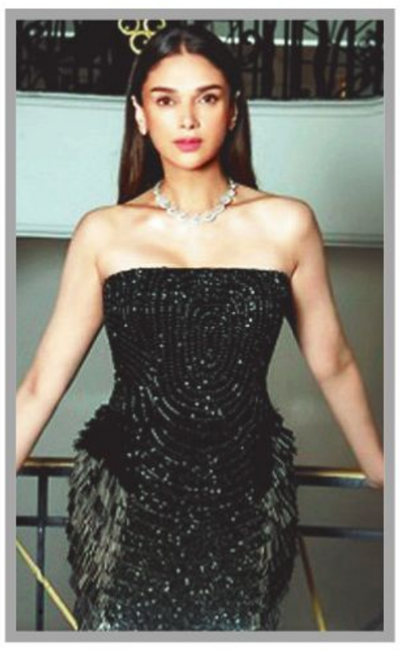

अरिजीत के फैसले पर जताई हैरानी...

मुंबई। अरिजीत सिंह ने अचानक प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने भी अरिजीत सिंह के फैसले पर हैरानी जताई है। साथ ही उनका कहना है कि वो अब फिल्मों में अरिजीत के गानों को मिस करेंगी। अदिति ने कहा कि हे भगवान! मुझे अरिजीत की आवाज बहुत ही पसंद है। मुझे उनकी बहुत याद आएगी। उनकी आवाज की बहुत याद आएगी। लेकिन आप जानते हैं, मेरा मानना है कि एक कलाकार हमेशा कलाकार रहता है। एक रचनाकार हमेशा रचनाकार रहता है और कुछ भी हो सकता है। लेकिन कुछ करने की शक्ति, इच्छाशक्ति, सपना, प्रेम हमेशा आपके भीतर रहता है। एक रचनाकार हमेशा सृजन करता रहेगा। इसलिए वह हमेशा गाते रहेंगे।

'टॉक्सिक' के टीजर का का किया बचाव

मुंबई। फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के टीजर का सपोर्ट किया है। उन्होंने बताया कि टॉक्सिक के क्लिप के खिलाफ विरोध से पता चलता है कि दर्शक स्क्रीन पर पुरुष और महिला की सेक्सुअलिटी पर कैसे दोहरा रवैया अपनाते हैं। 17वें बेंगलुरु इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान 'फियरलेस फिल्ममेकिंग' नाम के एक सेशन में अनुराग कश्यप ने कहा, 'टॉक्सिक के टीजर के खिलाफ जो गुस्सा दिखाया जा रहा है, वह हमारे कल्चरल पाखंड को दिखाता है। जब मेल एक्टर स्क्रीन पर शर्टलेस दिखते हैं या मर्दानगी दिखाते हैं, तो कोई सवाल नहीं उठाता। लेकिन जब कोई महिला अपनी सेक्सुअलिटी को दिखाती है, तो उसे स्वीकार करना मुश्किल हो जाता है।'

टीवी मसाला

टीवी की 'नागिन' चली बड़े पर्दे की राह कई सीरियल्स पर बनीं चर्चित फिल्में

मुंबई। एकता कपूर सीरियल 'नागिन' सीरीज को फिल्म के तौर पर भी पेश करने वाली है। ऐसी चर्चा सुनने को मिल रही है। जानिए, 'नागिन' सीरियल से पहले कौन-कौन से सीरियल पर फिल्म बन चुकी है। कुछ हिंदी टीवी सीरियल की कहानी बॉलीवुड फिल्मों से इंस्पायर होती है। लेकिन कुछ सीरियल अपने अलग तरह के कंटेंट की वजह से चर्चा में रहते हैं। इन दिनों 'नागिन 7' ने टीवी सीरियल की दुनिया में हलचल मचा रखी है। खबर है कि प्रोड्यूसर एकता कपूर अब इस सीरियल को फिल्म के तौर पर भी बनाने वाली है। लेकिन यह पहला सीरियल नहीं होगा, जिस पर फिल्म बन रही है। इससे पहले भी कई सीरियल ने यह राह पकड़ी है। जानिए, ऐसे ही कुछ चर्चित सीरियल्स के बारे में।

नागिन : हाल ही में एकता कपूर प्रोड्यूस सीरियल 'नागिन 7' टीवी पर टेलीकास्ट हुआ है। तीसरे हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में इसने टॉप पर जगह बनाई है। यह सीरियल दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। सीरियल में नागिन का लीड रोल प्रियंका चाहर चौधरी निभाई रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस टीवी सीरीज पर अब प्रोड्यूसर एकता कपूर फिल्म बनाने का सोच रही हैं। तो दर्शकों को टीवी की 'नागिन' बड़े पर्दे पर दिख सकती है।

खिचड़ी : सीरियल 'खिचड़ी' को दर्शकों ने टीवी पर खूब प्यार दिया था। यह कॉमेडी सीरियल जेडी मजेठिया ने प्रोड्यूस किया था। इस सीरियल पर एक फिल्म 'खिचड़ी द मूवी' साल 2010 में बनी थी। फिल्म में भी सीरियल की कास्ट नजर आई। इसमें सुप्रिया पाठक, राजीव मेहता, निमिषा वखारिया और जमनादास मजेठिया लीड रोल में दिखे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कलेक्शन किया था। साल 2023 में 'खिचड़ी 2' फिल्म भी रिलीज हुई थी। इन दोनों फिल्मों को फिल्म आतिश कपाड़िया ने निर्देशित किया था।

चला मुसद्दी ऑफिस ऑफिस : साल 2010 में पंकज कपूर अभिनीत फिल्म 'चला मुसद्दी ऑफिस ऑफिस' भी रिलीज हुई। यह फिल्म भी टीवी के पॉपुलर सटायर कॉमेडी शो 'ऑफिस ऑफिस' पर बनी थी, यह सीरियल 2001 में टीवी पर टेलीकास्ट हुआ था। सीरियल और फिल्म में पंकज कपूर एक आम आदमी के रोल में नजर आए, जो सरकारी सिस्टम के जाल, भष्ट्राचार के बीच फंस जाता है। फिल्म के निर्देशक राजीव मेहरा थे।

भाबी जी घर पर हैं : सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' भी टीवी पर कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। अब इस सीरियल के किरदार और कहानी को दर्शक बड़े पर्दे पर फिल्म के रूप में देखेंगे। सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' में आसिफ शेख, शुभांगी अत्रे, रोहताश गौर जैसे एक्टर्स नजर आते थे। यह सभी फिल्म का भी हिस्सा हैं। वहीं फिल्म में रवि किशन, मुकेश तिवारी जैसे उम्दा कलाकार भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म 'भाबी जी घर पर हैं' 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म को शंशाक बाली ने निर्देशित किया है।

गौरव खन्ना के तलाक की चर्चा पर आकांक्षा ने दी प्रतिक्रिया

मुंबई। गौरव खन्ना बिग बॉस 19 जीतने के बाद से लगातार चर्चाओं में बने हैं। कभी अपनी पार्टी तो कभी अपनी पत्नी का डांस और अब पत्नी की एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर। अब हाल ही में गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ने एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा की थी। जिसके बाद गौरव और आकांक्षा के तलाक के कयास लगाए जाने लगे थे। अब इन खबरों के बढ़ने के बाद आकांक्षा ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। बातचीत में आकांक्षा चमोला ने अपनी पोस्ट के बाद शादी में कलह को लेकर चलने वाली खबरों को खारिज किया। आकांक्षा ने कहा कि हमारे वैवाहिक जीवन में कोई समस्या नहीं है, और उस पोस्ट का गौरव से कोई लेना-देना नहीं था। मैं सोशल मीडिया पर निजी मामलों पर चर्चा नहीं करती। वह पोस्ट मेरी आने वाली सीरीज के प्रमोशन के लिए थी। इसका अलग-अलग अर्थ निकाला जा सकता था, लेकिन इसे बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। मेरा वैवाहिक जीवन स्थिर है और पोस्ट का निजी जीवन से कोई संबंध नहीं है।

हमारे बीच कोई तुलना नहीं : ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर आकांक्षा ने कहा कि मैं इस समय ट्रोलिंग की क्वीन बनी हुई हूं। मैं हमेशा से इस विषय पर खुलकर बोलती रही हूं। गौरव थोड़ा सतर्क हैं क्योंकि वह मेरी इमेज की रक्षा करना चाहते हैं। हमारे बीच उम्र का अंतर है और वह मेरी बात समझने के लिए काफी समझदार हैं। मैंने साफ तौर पर कहा है कि मैं मातृत्व को नहीं चुनती। यह मेरा निजी फैसला है और मुझे इसे किसी के सामने सही ठहराने की जरूरत नहीं है।

रहमान ने अपने बयान का किया बचाव और कहा, 'दुनिया के साथ यही दिक्कत है...'

मुंबई। एआर रहमान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नए शो में नजर आए। यहां उन्होंने फिल्म 'गांधी टॉक्स' के बारे में बात की। उन्होंने इंडस्ट्री में काम मिलने वाले अपने बयान की तरफ भी इशारा किया। संगीतकार एआर रहमान हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलने पर दिए गए अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। पिछले महीने उन्होंने यह कहकर सबका ध्यान खींचा था कि हाल के दिनों में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री 'सांप्रदायिक' हो गई लगती है। बाद में उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरह से लिया गया। अब उन्होंने कहा कि कोई भी संदेश आगे बढ़ने पर बदल सकते हैं।

बयान पर क्या बोले एआर रहमान : एआर रहमान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नए एपिसोड में नजर आए। यहां उन्होंने कहा 'यह देखना दिलचस्प है कि जानकारी कैसे गलत समझी जाती है। अलग राज्य और अलग संस्कृति का असर पड़ता है। दुनिया के साथ यह दिक्कत है कि कोई भी संदेश बीच में ही खराब हो जाता है।'

'गांधी टॉक्स' पर बोले रहमान

एआर रहमान शो में अपनी नई फिल्म 'गांधी टॉक्स' के बारे में बात करने के लिए आए थे। इस फिल्म का निर्देशन किशोर बेलेकर ने किया है। इसमें विजय सेतुपति और अदिति राव हैदरी ने अहम किरदार निभाया है। फिल्म के बारे में बात करते हुए संगीतकार ने कहा कि बिना डायलॉग वाली फिल्म में काम करने में आजादी भी थी और दबाव भी था। उन्होंने कहा 'अगर किसी फिल्म में आवाज नहीं है तो यह संगीत के लिए जश्न है। आपके पास संगीत बनाने के लिए बहुत मौका है। हालांकि यह परेशान करने वाला भी है कि लोग आपको जज करेंगे।'

क्या बोले थे रहमान?

एआर रहमान ने हाल ही में बीबीसी एशियन नेटवर्क के साथ बातचीत में बताया था कि पिछले आठ वर्षों में उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कम काम मिला है। उन्होंने इसकी वजह बताते हुए कहा 'शायद पिछले आठ वर्षों में पावर शिफ्ट हुआ है। अब पावर उन लोगों के पास है जो क्रिएटिव नहीं हैं। यह कोई सांप्रदायिक बात भी हो सकती है... लेकिन यह मेरे साथ नहीं हुआ।' उनके इस बयान पर कई सेलेब्स ने प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद रहमान ने सफाई दी थी।

इस बार अवॉर्ड फंक्शन को कॉमेडियन ट्रेवर नोआ कर रहे हैं होस्ट

अब तक कई भारतीयों को मिल चुका है ग्रैमी अवॉर्ड

मुंबई। 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स भारत में सोमवार को देखने को मिलेंगे। इस बार कई भारतीयों को नॉमिनेशन मिला है। लेकिन इससे पहले जानते हैं उन भारतीयों के बारे में जिन्होंने अब तक ग्रैमी अवॉर्ड जीता है। संगीत जगत के सबसे बड़े अवॉर्ड ग्रैमी अवॉर्ड का आयोजन 1 फरवरी को लांस एंजिल्स के क्रिप्टो कॉम एरिना में किया गया। इस अवॉर्ड में भारत की भी नजरें लगी हुई हैं। क्योंकि अनुष्का शंकर समेत भारत की ओर से संगीतकार सिद्धांत भाटिया, शक्ति और पियानो वादक एवं संगीतकार चारू सूरी को भारतीय संगीत में उनके योगदान के लिए नामित किया गया है। इनमें से कौन ये अवॉर्ड अपने नाम करेगा, इसका तो समय आने पर ही पता चलेगा।

जाकिर हुसैन को अलग-अलग कैटेगरी में चार बार मिला ग्रैमी

साल 1994 में विश्व मोहन भट्ट को बेस्ट वर्ल्ड म्यूजिक अल्बम के लिए अवॉर्ड मिला था। इसके अलावा भारत के दिग्गज तबला वादक जाकिर हुसैन को चार बार ग्रैमी अवॉर्ड मिला है। जाकिर हुसैन को पहली बार साल 2009 में बेस्ट कंटेम्परारी वर्ल्ड म्यूजिक अल्बम के लिए ग्रैमी मिला था। इसके बाद जाकिर हुसैन को साल 2023 में राकेश चौरसिया के साथ बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस के लिए ग्रैमी मिला। 2024 में जाकिर हुसैन और राकेश चौरसिया ने फिर ग्रैमी अवॉर्ड जीता। इस बार दोनों को बेस्ट कंटेम्परारी इंस्ट्रूमेंटल अल्बम के लिए ग्रैमी मिला था। 2024 में जाकिर हुसैन को फिर ग्रैमी मिला। इस बार वो शक्ति बैंड का हिस्सा थे।

इन्हें भी मिला है अवॉर्ड

इसके अलावा कई भारतीयों ने ग्रैमी अपने नाम किया है। पीए दीपक (2 बार) (2010 और 2022) एच श्रीधर (2010) गुलजार, एआर रहमान और तन्वी शाह (2010) रिकी केज (3 बार) (2015, 2019, 2023) फैलू (2022) वी सेलवागणेश, गणेश राजगोपालन, शंकर महादेवन और चंद्रिका टंडन के भी नाम शामिल हैं। इन सभी को साल 2024 में मिला था। इस बार 68वें ग्रैमी अवॉड्र्स का आयोजन 1 फरवरी रविवार को हुआ। यह अवॉर्ड फंक्शन रात 8 बजे से शुरू हुआ और 11.30 बजे (अमेरिका के समयानुसार) तक चलेगा। यह यूट्यूब और ग्रैमी अवॉड्र्स की वेबसाइट पर लाइव स्ट्रीम होंगे। वैसे यह अवॉर्ड फंक्शन सीबीएस (ब्रॉडकास्टर) पर भी टेलीकास्ट होंगे। हालांकि, भारत में ग्रैमी अवॉर्ड को सोमवार 2 फरवरी को देखा जा सकेगा। भारत में ये 2 फरवरी सुबह 6:30 बजे से जीयो हॉटस्टार पर लाइव देखा जा सकता है। इस बार अवॉर्ड फंक्शन को कॉमेडियन ट्रेवर नोआ होस्ट कर रहे हैं। वह आखिरी बार ग्रैमी को होस्ट करने वाले हैं।

पंडित रविशंकर पहले भारतीय

ग्रैमी अवॉर्ड जीतने वाले भारतीयों की बात करें तो सबसे पहले साल 1968 में पंडित रविशंकर ने जीता था। इसके बाद उन्हें साल 1973, 2002 और 2013 में भी ये अवॉर्ड मिला है। 2013 में ही पंडित रविशंकर को लाइफटाइम अचीवमेंट भी मिला था।

मुंबई टीम में लौटे ठाकुर-जायसवाल, कर्नाटक के खिलाफ खेलेंगे क्वार्टर फाइनल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कप्तान शारदुल ठाकुर और भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को 6 फरवरी से कर्नाटक के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए सोमवार को मुंबई की टीम में शामिल किया गया।

मुंबई की टीम चार जीत और तीन ड्रॉ से एलीट ग्रुप डी में शीर्ष पर रही जबकि कर्नाटक ने ग्रुप ए के अपने अंतिम लीग मैच में पंजाब पर रोमांचक जीत की बदौलत अंतिम आठ में जगह बनाई। मुंबई और कर्नाटक के बीच क्वार्टर फाइनल 6 से 10 फरवरी तक यहां एमसीए-बीकेसी मैदान पर खेला जाएगा क्योंकि वानखेड़े स्टेडियम 7 फरवरी से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी करेगा।

रणजी ट्रॉफी : 6 से 10 फरवरी तक एमसीए बीकेसी मैदान में भिड़ेंगी दोनों टीम

दूसरी बार मुंबई के लिए खेलेंगे जायसवाल

रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में जायसवाल दूसरी बार मुंबई के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। इससे पूर्व वह राजस्थान के खिलाफ पहले दौर के मैच में खेले थे। मुंबई क्रिकेट संघ और सीनियर चयन पैनल ने चयन के लिए भारत के इस सलामी बल्लेबाज के नाम पर विचार नहीं किया था क्योंकि वह रविवार को संपन्न हुए ग्रुप चरण के दूसरे दौर के मुकाबलों के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि करने में नाकाम रहे थे। जायसवाल टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच ठाकुर मुंबई के नियमित कप्तान सिद्धेश लाड की जगह टीम की अगुआई करेंगे, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान उन्हें लगी चोट के बाद टीम की कप्तानी की थी।

टीम इस प्रकार

शारदुल ठाकुर, यशस्वी जायसवाल, मुशीर खान, सरफराज खान, सिद्धेश लाड, अखिल हेरवादकर, आकाश आनंद, हार्दिक तमोरे, साईराज पाटिल, शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, ओंकार तरमाले, दिव्यांश सक्सेना और सूर्यांश शेडगे।

खबर संक्षेप

सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिपः बांग्लादेश से हारा भारत

पोखरा। भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय टीम को पोखरा रंगशाला स्टेडियम में सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ 0-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश के लिए दोनों गोल पहले हाफ में अर्पिता बिश्वास (29वें मिनट) और अल्पी अख्तर (40वें मिनट) ने दागे। भारत की अंडर-17 टीम अधिक आयु वर्ग के टूर्नामेंट 'अंडर-19 चैंपियनशिप' में हिस्सा ले रही है, जिससे कि एएफसी अंडर-17 महिला एशिया कप की तैयारी कर सके। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में नेपाल को 1-0 किया था।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराया, सीरीज की अपने नाम

पाल्लेकल। टॉम बेंटोन के 33 गेंद में नाबाद 54 रन की मदद से इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ वर्षाबाधित दूसरा टी20 डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर छह विकेट से जीतकर श्रृंखला अपने नाम कर ली। इंग्लैंड के पास तीन मैचों की श्रृंखला में 2 . 0 की विजयी बढत हो गई है। बेंटोन ने अपनी पारी में तीन छक्के और चार चौके लगाए, जिसके दम पर इंग्लैंड ने 17 ओवर में 168 रन के संशोधित लक्ष्य के जवाब में 16 . 4 ओवर में चार विकेट पर 173 रन बनाए। जोस बटलर ने 29 गेंद में 39 रन जोड़े। इससे पहले श्रीलंका ने पांच विकेट पर 189 रन बनाए।

वैदेही चौधरी मुंबई ओपन के पहले दौर में हारीं

मुंबई। भारत की वैदेही चौधरी को मुंबई ओपन 125 के पहले दौर में सोमवार को यहां तीसरी वरीयता प्राप्त लिओलिया जीनजीन से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। भारत की दूसरे नंबर की महिला एकल खिलाड़ी वैदेही को फ्रांस की जीनजीन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। जीनजीन ने 2022 के फ्रेंच ओपन में पूर्व विश्व नंबर एक कैरोलिना प्लिस्कोवा को हराकर सुर्खिया बटोरी थी। जीनजीन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मुकाबले में 6-2, 6-0 से जीत दर्ज की।

दिल्ली खेल महाकुंभ 13 फरवरी से शुरू होगाः सूद

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने वित्त वर्ष के लिए खेल एवं युवा मामलों के बजट में तीन गुना वृद्धि का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि सरकार 13 फरवरी से राष्ट्रीय राजधानी में 'दिल्ली खेल महाकुंभ' का शुभारंभ करेगी। सूद ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्घाटन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी, जिसमें शुरुआत में सात खेल (कबड्डी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कुश्ती, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और स्क्वाश) शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में 20,000 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है।

7 फरवरी से भारत और श्रीलंका की सह-मेजबानी में महामुकाबला

टी20 वर्ल्ड कप के वार्म अप मैचों का शेड्यूल आया सामने, खेले जाएंगे 16 मैच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप वार्म-अप मुकाबलों के शेड्यूल की पुष्टि कर दी है। 2 से 6 फरवरी के बीच कुल 16 वार्म-अप मैच खेले जाएंगे। 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका की सह-मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन होगा, जिससे पहले वार्म-अप मैच भी इन्हीं देशों में खेले जाएंगे।

भारतीय सरजमीं पर बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ग्राउंड 1 और नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्टेडियम और चेन्नई में एमए चिदंबरम स्टेडियम में वार्म-अप मैच खेले जाएंगे। दूसरी ओर, श्रीलंका में एसएससी क्रिकेट ग्राउंड और कोलंबो क्रिकेट क्लब ग्राउंड में वार्म-अप मैच आयोजित होंगे। 2 फरवरी को वार्म-अप मैच में भारत-ए यूएसए से भिड़ी। इसके बाद भारतीय टीम 4 फरवरी को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में उतरेगी। 6 फरवरी को भारत-ए की टीम नामीबिया के विरुद्ध वार्म-अप मुकाबला खेलेगी।

वार्म-अप मुकाबलों का शेड्यूल

2 फरवरी

अफगानिस्तान बनाम स्कॉटलैंडः बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1, बेंगलुरु (दोपहर 3 बजे से)
यूएसए बनाम इंडिया 'ए': डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई (शाम 5 बजे से)
कनाडा बनाम इटलीः एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई (शाम 7 बजे से).

3 फरवरी

ओमान बनाम श्रीलंका 'ए': कोलंबो क्रिकेट क्लब ग्राउंड, कोलंबो (दोपहर 1 बजे से).. नीदरलैंड बनाम जिम्बाब्वेः आर. प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो (दोपहर 3 बजे से). नेपाल बनाम यूएईः एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई (शाम 5 बजे से).

4 फरवरी

स्कॉटलैंड बनाम नामीबियाः बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 2, बेंगलुरु (दोपहर 1 बजे से)
अफगानिस्तान बनाम वेस्टइंडीजः बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1, बेंगलुरु (दोपहर 3 बजे से)
पाकिस्तान बनाम आयरलैंडः एसएससी क्रिकेट ग्राउंड, कोलंबो (शाम 5 बजे से).
भारत बनाम दक्षिण अफ्रीकाः डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई (शाम 7 बजे से).

5 फरवरी

जिम्बाब्वे बनाम ओमानः कोलंबो क्रिकेट क्लब ग्राउंड, कोलंबो (सुबह 11 बजे से)
नेपाल बनाम कनाडाः एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई (दोपहर 1 बजे से)
ऑस्ट्रेलिया बनाम नीदरलैंडः आर. प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो (शाम 5 बजे से)
न्यूजीलैंड बनाम यूएसएः डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई (शाम 7 बजे से).

6 फरवरी

इटली बनाम यूएईः एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई (दोपहर 3 बजे से). इंडिया 'ए' बनाम नामीबियाः बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1, बेंगलुरु (शाम 5 बजे से).

टी20 वर्ल्ड कप से पहले तिलक वर्मा इंडिया ए स्क्वॉड में शामिल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आक्रामक बल्लेबाज तिलक वर्मा को टी20 विश्व कप के अभ्यास मुकाबलों के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया जबकि लंबे समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद तेज गेंदबाज मयंक यादव की भी टीम में वापसी हुई।

मयंक यादव की टीम में वापसी

तिलक को ग्रोइन की चोट से पूरी तरह उबरने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से खेलने की स्वीकृति मिल गई है। वह सीनियर राष्ट्रीय टीम में फिर से शामिल होने से पहले दो अभ्यास मैच में से एक में खेलेंगे।

यह बाएं हाथ का बल्लेबाज न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई टी20 श्रृंखला में नहीं खेल पाया था, जिसमें श्रेयस अय्यर को उनकी जगह मौका दिया गया था।

भारत ए का बेंगलुरु के सीओई में नामीबिया से सामना

बीसीसीआई ने टीम की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'तिलक वर्मा सीनियर टीम में शामिल होने से पहले एक अभ्यास मैच खेलेंगे।' भारत ए की टीम नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका से भिड़ी जबकि शुक्रवार को बेंगलुरु के सीओई में नामीबिया का सामना करेगी। आयुष बडोनी 15 सदस्यीय भारत ए टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें नमन धीर, विपराज निगम और रियान पराग भी शामिल हैं। मयंक स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण एक साल से अधिक समय से टीम से बाहर थे।

भारत ए टीम

आयुष बडोनी (कप्तान), नमन धीर, आशुतोष शर्मा, प्रियांश आर्य, एन जगदीशन, तिलक वर्मा, रियान पराग, मानव सुथार, अशोक शर्मा, उर्विल पटेल, गुरजपनीत सिंह, विपराज निगम, रवि बिश्नोई, खलील अहमद, मयंक यादव।

बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन अवार्ड्स के लिए नामांकित हरमनप्रीत, स्मृति और दिव्या

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महिला क्रिकेट की कप्तान हरमनप्रीत कौर और उप-कप्तान स्मृति मंधाना तथा शतरंज की प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिव्या देशमुख '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कारों के लिए नामांकित हैं। पिस्टल निशानेबाजी में सनसनी मचाने वाली सुरुचि सिंह और ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ज्योति याराजी इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार के लिए नामांकित अन्य दो खिलाड़ी हैं।

बीबीसी न्यूज की अंतरिम वैश्विक निदेशक फियोना क्रैक ने कहा, 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कार पूरे भारत में महिलाओं की खेल प्रतिभाओं के एक वर्ष का प्रतीक है और बीबीसी विश्व सेवा अन्य किसी भी मीडिया प्रदाता की तुलना में इन प्रयासों को प्रदर्शित करने और उनका जश्न मनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' उन्होंने कहा, ' हम इन महिलाओं को भारत और दुनिया भर के दर्शकों के सामने अपनी मेहनत से हासिल की गई उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करके रोमांचित हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने नवंबर 2025 में देश को आईसीसी महिला विश्व कप का पहला खिताब दिलाया था। इसी टीम की उप कप्तान 29 साल की मंधाना पहले से ही क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं।

'फैनकोड' ने आईएसएल 2025-26 के लिए टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार हासिल किए

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने 14 फरवरी से शुरू हो रही इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2025-26 के संक्षिप्त सत्र के लिए 'फैनकोड' को विशेष वैश्विक प्रसारण अधिकार प्रदान किए। 'फैनकोड' ने इस प्रक्रिया में छह अन्य प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ा। लीग के वैश्विक और घरेलू दोनों स्तरों पर प्रोडक्शन अधिकार 'केलिडोस्कोप प्रोडक्शन एंड सर्विसेज (केपीएस स्टूडियोज)' को सौंपे गये हैं। आईएसएल की अंतरिम प्रबंध समिति और 'प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफक्यू)' समिति ने प्रसारण और प्रोडक्शन साझेदारों का चयन किया।

ऑस्ट्रेलिया को झटका, वर्ल्ड कप के शुरुआती मैच नहीं खेलेंगे हेजलवुड

एजेंसी ▶▶| सिडनी

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट से उबरने के बाद श्रीलंका में टी20 विश्व कप के शुरुआती मैचों के लिए टीम के साथ नहीं जाएंगे।

राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने यह जानकारी दी । नाथन हिल्स, टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल कोलंबो पहुंच चुके हैं और मंगलवार को टीम से जुड़ेंगे। आस्ट्रेलिया को प्रारंभिक दौर के चार मैच श्रीलंका में खेलने हैं। उसे पहला मैच 11 फरवरी को आयरलैंड से खेलना। हेजलवुड टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में सिडनी में रहेंगे। सीन एबोट यात्रा रिजर्व के तौर पर टीम के साथ जाएंगे। हेजलवुड चोट के कारण 2025- 26 एशेज श्रृंखला से भी बाहर रहे थे।

डोडेमेड ने यह नहीं बताया कि हेजलवुड कब से खेल सकेंगे। आस्ट्रेलिया के प्रारंभिक दौर के मुकाबले 20 फरवरी को खत्म होंगे। टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका में 7 फरवरी से 8 मार्च तक खेला जाएगा।

अनाहत ने जीता पहला पीएसए कांस्य स्तर का खिताब ...

वॉशिंगटन। युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी इंग्लैंड की जॉर्जिना केनेडी को 12-10, 11-5, 11-7 से हराकर वॉशिंगटन में पीएसए कांस्य स्तर का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज 15 वर्ष की अनाहत ने स्क्वाश आन फायर ओपन जीता, जो उनके कैरियर का 15वां खिताब है। जीत के बाद उसने कहा,' मैं बहुत खुश हूं। मैं इन टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी रैंकिंग बेहतर करना चाहती थी। मुझे खुशी है कि ऐसा कर सकी।'

पुरुष टीम पोडियम पर जगह बनाने के लिए अनुभवी खिलाड़ियों पर निर्भर

एशिया टीम चैंपियनशिपः भारतीय खिलाड़ियों के सामने कड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶| किंगदाओ

स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू के बिना कमजोर पड़ी भारतीय महिला टीम को मंगलवार से शुरू हो रही बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में अपना खिताब बचाने में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जबकि पुरुष टीम पोडियम पर जगह बनाने के लिए अनुभवी खिलाड़ियों पर निर्भर रहेगी।

भारत ने पिछले सत्र में मलेशिया में अपना पहला महिला टीम स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा था लेकिन चोट के कारण सिंधू के हटने से उनकी पदक जीतने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू की गैरमौजूदगी में भारतीय अभियान की जिम्मेदारी तन्वी शर्मा की अगुआई वाले खिलाड़ियों के युवा समूह पर होगी। पंजाब की 17 साल की तन्वी 2024 में चैंपियन टीम का हिस्सा थी लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके अगले दो साल में तन्वी गुवाहाटी में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक और अमेरिकी ओपन सुपर 300 में फाइनल तक पहुंचकर महिला एकल में अगली बड़ी उम्मीद बनकर उभरी हैं।

2025 के सफल सत्र के बाद खेलेंगी उन्नति

उन्नति हुड्डा भी 2025 के सफल सत्र के बाद इस टूर्नामेंट में आ रही हैं। यह 18 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 23वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रहीं। उन्होंने चीन ओपन में सिंधू को भी हराया। बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय उन्नति ने 2025 में ओडिशा मास्टर्स का खिताब भी जीता। एकल में जिम्मेदारी अब मालविका बंसोड़ और रक्षिता श्री संतोष रामराज पर भी होगी।

पुरुष टीम पर अच्छा प्रदर्शन दोहराने की जिम्मेदारी

भारतीय पुरुष टीम 2016 और 2020 की कांस्य पदक विजेता है और अनुभव तथा गहराई के मेल के साथ बेहतर स्थिति में दिख रही है। इस टीम में वही मुख्य खिलाड़ी हैं जिनकी मौजूदगी में टीम ने 2022 में थॉमस कप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था और अब उन पर अच्छा प्रदर्शन दोहराने की जिम्मेदारी होगी। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन की अगुवाई वाली इस टीम में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय भी शामिल हैं। ये तीनों विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता हैं। लक्ष्य अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता था और हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। श्रीकांत भी मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय में फाइनल में पहुंचे थे लेकिन प्रणय मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।

अगर अमेरिका युद्ध शुरू करता है, तो इस बार पूरा क्षेत्र इसकी चपेट में आ जाएगा : खामेनेई

» दुबई , भाषा।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई की धमकी पर पलटवार करते हुए रविवार को चेतावनी दी कि यदि अमेरिका ने हमला किया, तो पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय युद्ध भड़क सकता है। अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और इससे जुड़े युद्धपोत फिलहाल अरब सागर में तैनात हैं, जिन्हें ट्रंप ने तेहरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के बाद भेजा था। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप सैन्य ताकत का उपयोग करेंगे या नहीं। उन्होंने कई बार कहा है कि ईरान बातचीत चाहता है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा हल होते हुए देखना चाहते हैं।

हालांकि, खामेनेई ने राष्ट्रीय स्तर पर जारी विरोध प्रदर्शनों को तख्तापलट जैसा बताया और कहा कि इससे सरकार का रुख और कड़ा हो गया है। खबरों के अनुसार, विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से लाखों लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं। ईरान में राजद्रोह के मामलों में मृत्युदंड का प्रावधान है। इससे यह चिंता फिर से बढ़ गई है कि तेहरान गिरफ्तार लोगों को सामूहिक रूप से फांसी देने जैसी कार्रवाई कर सकता है। ईरान ने रविवार और सोमवार को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास करने की योजना भी बनाई है। होर्मुज जलडमरूमध्य वह संकरा मार्ग है, जहां से बड़ी मात्रा में दुनियाभर में तेल की ढुलाई होती है। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने खामेनेई के हवाले से कहा, अमेरिकियों को यह समझ लेना चाहिए कि यदि वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। खबर के अनुसार, खामेनेई ने कहा हम न तो उकसाने वाले हैं और न ही किसी देश पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन ईरान पर जो कोई भी हमला करेगा या उसे परेशान करेगा, उसे ईरानी जनता कड़ा जवाब देगी। खामनेई ने स्वीकार किया कि कुछ लोगों की आर्थिक समस्याएं वास्तविक थीं और इन्हीं कारणों से उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू किए थे। ईरान में 28 दिसंबर को विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। शुरुआत में विरोध प्रदर्शन ईरानी मुद्रा रियाल के पतन के विरोध में हुए थे। जल्द ही ए प्रदर्शन सीधे खामेनेई शासन के लिए चुनौती बन गए। उन्होंने कहा, हालिया राजद्रोह को तख्तापलट के समान माना जा सकता है। बेशक, इस तख्तापलट को कुचल दिया गया। उन्होंने कहा, इनका उद्देश्य देश चलाने वाले संवेदनशील और प्रभावशाली केंद्रों को नष्ट करना था, और इसी कारण प्रदर्शनकारियों ने पुलिस, सरकारी केंद्रों, रिवॉल्यूशनरी गार्ड के प्रतिष्ठानों, बैंकों और मस्जिदों पर हमला किया और कुरान की प्रतियां जलाईं। उन्होंने उन केंद्रों को निशाना बनाया, जो देश को चलाते हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने हालिया प्रदर्शनों को तख्तापलट जैसा बताया

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने देशभर में जारी उन विरोध-प्रदर्शनों की तुलना एक तख्तापलट से की, जिनसे वहां की धार्मिक शासन व्यवस्था को चुनौती मिली है। ईरान के सर्वोच्च नेता 86-वर्षीय खामेनेई की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब विरोध प्रदर्शनों के बाद देश में कथित तौर पर हजारों लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरान में राजद्रोह के आरोपों में मौत की सजा तक का प्रावधान है। ऐसे में तेहरान द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों को सामूहिक रूप से फांसी की सजा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

भारत 2019 तक ईरानी तेल का एक प्रमुख खरीदार रहा

भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा : ट्रंप ने किया दावा

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। ट्रंप ने शनिवार को फ्लोरिडा के पाम बीच जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी इस सवाल के जवाब में की कि क्या चीन वेनेजुएला को दिए गए कर्ज की भरपाई तेल आपूर्ति के बदले कर पाएगा। ट्रंप ने कहा, चीन का स्वागत है और वह तेल के मामले में एक बड़ा सौदा कर सकता है। हम चीन का स्वागत करते हैं। हम पहले ही एक सौदा कर चुके हैं। भारत आ रहा है और वह ईरान से तेल खरीदने के बजाय वेनेजुएला का तेल खरीदेगा। हमने पहले ही यह सौदा कर लिया है, कम से कम इस सौदे की अवधारणा तो तय हो चुकी है। ट्रंप की इन टिप्पणियों पर नई दिल्ली की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

भारत 2019 तक ईरानी तेल का एक प्रमुख खरीदार रहा है, लेकिन तेहरान पर अमेरिकी प्रतिबंध दोबारा लगाए जाने के बाद भारत ने ईरान से तेल आयात में काफी कटौती कर दी थी। ट्रंप के ये बयान ईरान और वेनेजुएला पर अमेरिकी प्रतिबंधों और इन देशों से कच्चा तेल न खरीदने को लेकर प्रमुख ऊर्जा आयातक देशों पर बनाए जा रहे दबाव की पृष्ठभूमि में आए हैं। हाल के वर्षों में भारत ने रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है, जिससे रूस भारत के सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हो गया है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाया है, जिसमें रूसी तेल की खरीद के कारण लगाया गया 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से टेलीफोन पर बातचीत की, जिसमें दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा एवं विस्तृत करने पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, कृषि और लोगों के बीच संपर्क सहित सभी क्षेत्रों में भारत-वेनेजुएला साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। मंत्रालय ने कहा था, दोनों नेताओं ने आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और ग्लोबल साउथ के लिए अपने घनिष्ठ सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित राष्ट्र के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में हैं।

यूरोपीय संघ की सभी सेनाओं को आतंकवादी समूह मानता है ईरान

दुबई, (भाषा)। ईरान की संसद के अध्यक्ष ने रविवार को कहा कि इस्लामी गणराज्य अब यूरोपीय संघ की सभी सेनाओं को आतंकवादी संगठन मानता है। उनका यह कड़ा बयान उस फैसले के बाद आया है, जिसमें यूरोपीय संघ ने देशभर में हुए विरोध प्रदर्शनों पर की गई खूनी कार्रवाई को लेकर ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किया था। संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर क़ालिबाफ द्वारा की गई यह घोषणा मुख्यत~ प्रतीकात्मक मानी जा रही है। ईरान 2019 में पारित एक कानून के तहत पहले भी अमेरिका द्वारा रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के जवाब में अन्य देशों की सेनाओं को आतंकवादी संगठन करार दे चुका है। हालांकि, यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव काफी बढ़ा हुआ है और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। इस बीच, इस्लामी गणराज्य ने रविवार और सोमवार को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास करने की भी योजना बनाई है। वैश्विक तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा फारस की खाड़ी के इस संकरे मुहाने से होता है। कालिबाफ ने यह घोषणा संसद में उस समय की, जब वह और अन्य सांसद रिवोल्यूशनरी गार्ड के समर्थन में उसकी वर्दी पहने हुए थे। रिवोल्यूशनरी गार्ड ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल शस्त्रागार को भी नियंत्रित करता है और देश की अर्थव्यवस्था में उसकी व्यापक हिस्सेदारी है। यह बल सीधे तौर पर ईरान के 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई के प्रति जवाबदेह है। सत्र के दौरान सांसदों ने अमेरिका मुर्दाबाद और इजऱाइल मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।

डेमोक्रेट नीत शहरों में प्रदर्शनों के दौरान मदद मांगे जाने तक हस्तक्षेप नहीं करेंगे: ट्रंप

वाशिंगटन, (भाषा)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उन्होंने गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम को निर्देश दिया है कि डेमोक्रेटिक पार्टी शासित शहरों में होने वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान तब तक दखल नहीं दिया जाएगा जब तक स्थानीय प्राधिकारी संघीय मदद न मांगें। ट्रंप ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब आव्रजन संबंधी कार्रवाई को लेकर उनके प्रशासन को आलोचनाएं झेलनी पड़ रही हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, हम खराब ढंग से संचालित विभिन्न डेमोक्रेट शहरों के विरोध प्रदर्शनों औराया दंगों में किसी भी परिस्थिति में तब तक हस्तक्षेप नहीं करेंगे जब तक वे हमसे मदद नहीं मांगेंगे। उन्होंने यह नहीं बताया कि उनके आदेश का अमेरिकी सीमा शुल्क एवं आव्रजन प्रवर्तन और गृह मंत्रालय के कर्मियों या अन्य संघीय एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्वाइयों पर क्या असर पड़ेगा। ट्रंप ने हालांकि कहा कि उनका प्रशासन उन संघीय इमारतों की रक्षा करेगा जो प्रदर्शनकारियों के कारण खतरे में होंगी। ट्रंप ने कहा कि नोएम को दिए निर्देशों के अलावा उन्होंने आईसीई (आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन) और अमेरिकी सीमा गश्ती बल को संघीय सरकार की संपत्ति की सुरक्षा करते समय बहुत कठोर रहने का भी निर्देश दिया है। ट्रंप प्रशासन ने वाशिंगटन, लॉस एंजिलिस, शिकागो और पोर्टलैंड सहित कई डेमोक्रेट क्षेत्रों में नेशनल गार्ड या संघीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों को तैनात किया है जिसके कारण उसे आलोचना झेलनी पड़ी है।

न्यूज ब्रीफ

बलूचिस्तान में आतंकवाद रोधी अभियानों में 15 पाकिस्तानी सैनिक, 92 आतंकवादी मारे गए

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तानी सेना ने रविवार को बताया कि अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों के कई आतंकवाद-रोधी अभियानों में कम से कम 15 पाकिस्तानी सैनिक और 92 आतंकवादी मारे गए हैं। सेना ने एक बयान में कहा कि ए अभियान शनिवार को जातीय बलूच समूहों से जुड़े आतंकवादियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर किए गए हमलों के बाद शुरू किए गए। सेना ने बताया कि आतंकवादियों ने क्वेटा, मस्तुंग, नुश्की, दलबंदीन, खरान, पंजगुर, तुम्प, ग्वादर और पसनी के आसपास आतंकी गतिविधियां करके शांति भंग करने की कोशिश की। बयान में कहा गया है कि अत्यधिक सतर्क सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आतंकियों की शांति भंग करने की कोशिशों को नाकाम कर दिया।

इसमें कहा गया है, हमारे बहादुर जवानों ने पूरी सटीकता के साथ आतंकवादियों का सामना किया और बलूचिस्तान भर में लंबे, भीषण और साहसिक अभियानों के बाद तीन आत्मघाती हमलावरों सहित 92 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने बताया कि आतंकियों ने आम नागरिकों को भी निशाना बनाया, जिसमें महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और मजदूरों सहित 18 लोगों की मौत हो गई। अभियानों और बाद में हुई मुठभेड़ों के दौरान 15 सैनिकों ने भी अपनी जान गंवाई। शुक्रवार को पंजगुर और हरनाई जिलों में अलग-अलग सुरक्षा अभियानों में प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े 41 आतंकवादी मारे गए थे। सेना ने कहा, पिछले दो दिनों में सफल अभियानों के साथ बलूचिस्तान में जारी अभियान के तहत मारे गए आतंकवादियों की कुल संख्या 133 हो गई है।

सिंगापुर में हिंदुओं ने थाईपुसम उत्सव मनाया, संस्कृति मंत्री भी हुए शामिल

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर के संस्कृति मंत्री दिनेश वासु दास ने यहां श्रद्धालुओं के साथ एक धार्मिक उत्सव में भाग लिया। यहां भारतीय मंदिरों का प्रबंधन करने वाली एक सरकारी एजेंसी ने यह जानकारी दी। मंत्री ने रविवार को थाईपुसम उत्सव में भाग लिया। उत्सव के तहत श्रीनिवास पेरुमल मंदिर से श्री थेंदायतुपानी मंदिर तक शोभायात्रा निकाली गई और इस दौरान श्रद्धालुओं ने 3.2 किलोमीटर तक यात्रा की। श्रद्धालु अपने साथ पालकुडम (दूध के पात्र) लिए हुए थे। हिंदू एंडोमेंट्स बोर्ड (एचईबी) ने बताया कि शोभायात्रा शनिवार देर रात शुरू हुई और रविवार तक जारी रही।

इसने बताया कि शोभायात्रा में शामिल होने वालों में सिंगापुर के संस्कृति, समुदाय और युवा एवं श्रमशक्ति मंत्री दिनेश वासु दास और उनकी पत्नी डॉ. रथीगा वेलाइथन भी थीं। मंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं के साथ धार्मिक यात्रा में शामिल होने से मुझे उनके अनुभव के बारे में जानने को मिला। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि इस साल भागीदारी में लगभग 20 से 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। थाईपुसम उत्सव के हिस्से के रूप में, 19,000 से अधिक श्रद्धालु भगवान मुरुगन को अर्पित करने के लिए अपने सिर पर पालकुडम रखकर शोभायात्रा में शामिल हुए। थाईपुसम हर साल जनवरी-फरवरी में आयोजित किया जाता है।

रूस-यूक्रेन के बीच अगले दौर की वार्ता अगले सप्ताह निर्धारित है : जेलेंस्की

» कीव, भाषा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच शांति वार्ता का अगला दौर बुधवार और बृहस्पतिवार को होगा। वार्ता के अगले दौर के दौरान रूस, यूक्रेन और अमेरिका के दूत अबू धाबी में मुलाकात करेंगे।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, हमें अभी-अभी हमारी वार्ता टीम से एक सूचना मिली है। अगली त्रिपक्षीय बैठकों की तारीखें तय हो गई हैं, जो चार और पांच फरवरी को अबू धाबी में होंगी। यूक्रेन सार्थक बातचीत के लिए तैयार है, और हम ऐसे परिणाम में रुचि रखते हैं, जो हमें युद्ध के वास्तविक और सम्मानजनक अंत के करीब ले जाए। हालांकि, वार्ता के अगले दौर के संबंध में अमेरिकी या रूसी अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई।

इजराइल ने रफाह सीमा क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोलने की घोषणा की

» काहिरा, भाषा।

दुनिया भर की विमानन क इजराइल ने फलस्तीनियों के सीमित आवागमन के मद्देनजर गाजा की मिस्र के साथ रफाह सीमा क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोलने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद रफाह सीमा क्रॉसिंग पर रविवार को चहल-पहल देखी गई। रफाह सीमा क्रॉसिंग को दोबारा खोलना इजराइल-हमास संघर्षविराम के आगे बढ़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इजराइल ने रविवार को घोषणा की कि रफाह क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोल दिया गया है।

गाजा को मानवीय सहायता के प्रवाह को नियंत्रित करने वाली इजऱाइली सैन्य एजेंसी सीओजीएटी ने एक बयान में कहा कि क्रॉसिंग को पूर्ण संचालन के लिए सक्रिय रूप से तैयार किया जा रहा है और तैयारियां पूरी होने के बाद गाजा के निवासी यहां से आवागमन शुरू कर सकेंगे। मिस्र के एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि फलस्तीनी सुरक्षा अधिकारी मिस्र वाले द्वार से होकर क्रॉसिंग में दाखिल हुए और फलस्तीनी द्वार की ओर बढ़े, जहां वे एक यूरोपीय संघ मिशन के साथ जुड़ेंगे, जो प्रवेश और निकास की निगरानी करेगा। अधिकारी ने यह भी बताया कि एंबुलेंस भी मिस्र वाले द्वार से होकर गुजरीं। गाजा के दैनिक प्रशासनिक कार्यों की देखरेख करने वाली नई फलस्तीनी प्रशासनिक समिति के प्रमुख ने कहा है कि दोनों दिशाओं में यात्रा सोमवार से शुरू हो जाएगी। रफाह को फलस्तीनियों के लिए दुनिया से जुड़ने का मुख्य द्वार माना जाता है, लेकिन मई 2024 में इजराइल द्वारा इसे अपने नियंत्रण में लिए जाने के बाद से यह अधिकांशतः बंद रहा है। शुरुआत में बहुत कम लोगों को ही यात्रा की अनुमति दी जाएगी और किसी भी प्रकार के सामान के आवागमन की इजाजत नहीं होगी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल प्रतिदिन 50 मरीजों को बाहर जाने की अनुमति देगा। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि प्रत्एक मरीज के साथ दो परिजनों को यात्रा की इजाजत होगी, जबकि युद्ध के दौरान गाजा छोड़ने वाले करीब 50 लोगों को प्रतिदिन वापस लौटने दिया जाएगा। इजराइल ने कहा है कि इजराइल और मिस्र दोनों मिलकर रफाह क्रॉसिंग से आने-जाने वालों की जांच करेंगे और यह प्रक्रिया यूरोपीय संघ के सीमा गश्ती एजेंटों की निगरानी में होगी। यदि व्यवस्था सफल रहती है तो समय के साथ यात्रियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। रफाह को दोबारा खोलना अमेरिका की मध्यस्थता से हुए संघर्षविराम समझौते का एक महत्वपूर्ण चरण है, जो 10 अक्टूबर को प्रभावी हुआ था और अब अपने दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है।

तुर्किए में बस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत, 26 घायल

इस्तांबुल, (भाषा)। तुर्किए के अंताल्या प्रांत में एक यात्री बस के सड़क से फिसलकर पलट जाने से इसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकारी प्रसारक टीआरटी द्वारा प्रसारित तस्वीरों में बस डोसेमेल्टी जिले में एक राजमार्ग से फिसलकर पलटती दिखती है। प्रांतीय गवर्नर हुलुसी साहिन ने बताया कि इस दुर्घटना में 26 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। समाचार एजेंसी डीएचए के अनुसार, बस के पलटने के बाद कुछ यात्री इसमें से बाहर निकलने में सफल रहे। भूमध्य सागर के किनारे स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल अंताल्या में हाल के दिनों में भारी बारिश हुई है।

जेफरी एपस्टीन दस्तावेज मामला : ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू से पूछताछ का बढ़ा दबाव

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर पर यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के अपराधों के स्तर की जांच कर रही अमेरिकी समिति के समक्ष पूछताछ के लिए पेश होने का दबाव बढ़ गया है। विंडसर की शाही स्थिति उनके भाई और ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने रद्द कर दी थी। मामले में एक महिला ने आरोप लगाया है कि एपस्टीन उसे 2010 में तत्कालीन प्रिंस एंड्रयू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ब्रिटेन ले गया था। महिला का दावा है कि वह विंडसर कैसल एस्टेट स्थित एंड्रयू के शाही निवास में गई थी। ब्रिटिश राजपरिवार के पूर्व सदस्य पर इस तरह का आरोप लगाने वाली यह दूसरी महिला है।

एंड्रयू लगातार आरोपों से इनकार करते रहे हैं। हालांकि, नवीनतम मामले में उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जापान की यात्रा पर गए ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने रविवार को इस संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा, मैंने हमेशा एपस्टीन के कृत्यों से पीड़ित लोगों को प्राथमिकता देते हुए मामले पर विचार किया है। एपस्टीन के पीड़ितों को ही पहली प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने कहा, माफी मांगने की बात करें तो यह एंड्रयू का मामला है। लेकिन हां, गवाही देने के संदर्भ में, मैंने हमेशा कहा है कि जिसके पास भी जानकारी है, उसे वह जानकारी किसी भी रूप में साझा करने के लिए तैयार रहना चाहिए। यदि आप ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप पीड़ित-केंद्रित नहीं हो सकते। यह विवाद कई वर्षों से चल रहा है। वर्जीनिया गिफ्र नामक महिला ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी, तब उसे पूर्व प्रिंस के साथ यौन संबंध बनाने के लिए लंदन लाया गया था। दूसरी कथित पीड़िता इस सप्ताहांत सामने आई और दावा किया कि एंड्रयू के साथ संबंध बनाने के बाद उसे लंदन के बकिंघम पैलेस का भ्रमण कराया गया और वहां चाय पिलाई गई। अमेरिका के न्याय विभाग ने शुक्रवार को दिवंगत यौन अपराधी से संबंधित 30 लाख से अधिक पृष्ठों के दस्तावेज़ जारी किए। इनमें एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर की एक तस्वीर भी शामिल है, जिसमें वह जमीन पर लेटी एक अज्ञात महिला के ऊपर घुटनों के बल बैठे दिखते हैं, लेकिन इसके साथ कोई और विवरण या संदर्भ नहीं दिया गया।

अमेरिकी राजदूत सात साल बाद राजनयिक मिशन दोबारा खोलने के लिए वेनेजुएला पहुंचीं

काराकस। अमेरिकी राजदूत लौरा डोगु शनिवार को वेनेजुएला की राजधानी काराकस पहुंचीं, जहां उन्होंने सात साल बाद अमेरिका के राजनयिक मिशन को दोबारा खोलने की प्रक्रिया शुरू की। यह कदम उस सैन्य कार्रवाई के लगभग एक महीने बाद उठाया गया है, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अंजाम दिया गया था और जिसके परिणामस्वरूप दक्षिण अमेरिकी देश के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटा दिया गया था। डोगु ने वेनेजुएला स्थित अमेरिकी दूतावास के आधिकारिक एक्स खाते पर साझा किए गए संदेश में कहा, मेरी टीम और मैं काम शुरू करने के लिए तैयार हैं। दूतावास ने माइक्वेटिया हवाई अड्डे पर उनके आगमन की तस्वीरें भी पोस्ट कीं। वेनेजुएला और अमेरिका ने फरवरी 2019 में राजनयिक संबंध तोड़ लिए थे। यह फैसला मादुरो सरकार ने तब किया था, जब ट्रंप ने जनवरी 2019 में विपक्षी नेता और सांसद जुआन गुएदो को अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में सार्वजनिक समर्थन दिया था। इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के दूतावास बंद कर दिए थे। वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल ने टेलीग्राम पर कहा कि डोगु का आगमन मौजूदा मतभेदों को आपसी सम्मान और अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर कूटनीतिक संवाद के जरिए सुलझाने की संयुक्त समझ का हिस्सा है।

एफबीआई ने जुलाई 2006 में एपस्टीन के मामले में जांच शुरू की थी

एपस्टीन मामलों के कारण स्लोवाकिया में शीर्ष अधिकारी ने दिया इस्तीफा

» न्यूयॉर्क, भाषा।

जेफरी एपस्टीन से संबंधित अमेरिकी सरकार की हाल में सामने आई फाइल के कारण स्लोवाकिया के एक शीर्ष अधिकारी ने इस्तीफा दे दिया। वहीं, इस मांग ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है कि ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस को एपस्टीन के दुनिया भर के प्रभावशाली व्यक्तियों से संबंधों के बारे में प्राधिकारियों के साथ जानकारी साझा करनी चाहिए। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने शुक्रवार को एपस्टीन से जुड़ी कई फाइल जारी कीं जिसके बाद यह घटनाक्रम सामने आया है।

ये फाइल फ्लोरिडा में यौन अपराधों के लिए सजा काटने वाले एपस्टीन के अमीर और मशहूर लोगों के साथ संबंधों की जानकारी प्रदान करती हैं। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री ने शनिवार को मिरोस्लाव लाजैक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके लाजैक पर किसी भी प्रकार के गलत काम का आरोप नहीं था लेकिन एपस्टीन के जेल से रिहा होने के बाद के वर्षों में दोनों की मुलाकात की तस्वीरें और ईमेल सामने आने के बाद उन्होंने अपना पद छोड़ दिया। इन खुलासों से ये सवाल फिर से उठने लगे हैं कि क्या एपस्टीन के मित्र रहे ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को अमेरिकी

अधिकारियों के साथ सहयोग करना चाहिए। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने शनिवार को सुझाव दिया कि माउंटबेटन-विंडसर को एपस्टीन की गतिविधियों के बारे में जो कुछ भी पता है, उसके बारे में उन्हें अमेरिकी जांच अधिकारियों को बता देना चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दस्तावेजों के जारी होने के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में कहा, मैंने इसे खुद नहीं देखा, लेकिन कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण लोगों ने मुझे बताया कि यह न केवल मुझे दोषमुक्त करता है बल्कि यह कुछ वामपंथी लोगों की उम्मीदों के बिल्कुल विपरीत है। मंत्रालय की वेबसाइट पर पोस्ट की गई फाइल में एपस्टीन की माउंटबेटन-विंडसर के साथ दोस्ती से संबंधित दस्तावेज और ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन, न्यूयॉर्क जायंट्स के सह-मालिक स्टीव टिस्क और अरबपतियों बिल गेट्स एवं एलन मस्क के साथ ईमेल पत्राचार शामिल हैं। इन रिकॉर्ड में ट्रंप के हजारों संदर्भ हैं। इसके अलावा, इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहूद बराक एवं उनकी पत्नी, राष्ट्रपति ट्रंप के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक, अरबपति एवं गूगल के सह-संस्थापक सर्गी ब्रिन के नाम भी शामिल हैं। दस्तावेजों के अनुसार, एफबीआई ने जुलाई 2006 में एपस्टीन के मामले में जांच शुरू की थी। जारी किए गए रिकॉर्ड से इस बात की पुष्टि हुई कि एपस्टीन के ट्रंप और पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के साथ दोस्ताना संबंध थे। अभियोग लगने के एक महीने बाद अगस्त 2019 में एपस्टीन ने न्यूयॉर्क की एक जेल में आत्महत्या कर ली थी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com